सोमवार
03 अप्रैल 2023

पृष्ठ 4
समय से पहले सफेद बालों से बचने के लिए अपनाएं ये तरीके

पृष्ठ 5
रसिका दुग्गल दिल्ली क्राइम सीजन 3 में नीति सिंह की भूमिका निभाने को तैयार

● देहरादून
● वर्ष 31
● अंक 65
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

आज का विचार

कुल की प्रतिष्ठा भी विनम्रता और सद्व्यवहार से होती है, हेकड़ी और रुआब दिखाने से नहीं।
– प्रेमचंद

दून की प्यास बुझाने को सौंग डैम पर सीएम ने मोदी से की वार्ता

विशेष संवाददाता

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज अपने दिल्ली प्रवास के दौरान लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के बाद उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री से उन्होंने मायावती आश्रम और आदि कैलाश की यात्रा पर आने का अनुरोध किया है। धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री यहां आने की इच्छा पहले ही जता चुके हैं राज्य में चारधाम यात्रा भी शुरू होने वाली है। उन्होंने यात्रा सीजन में उत्तराखंड आने का अनुरोध किया है साथ ही उन्होंने कहा कि राज्य में सौंग नदी पर बनने वाले बांध के बारे में भी प्रधानमंत्री से बातचीत कर इस पर काम जल्द शुरू कराने का अनुरोध किया है। धामी ने कहा कि सौंग डैम के बनने से देहरादून की पेयजल समस्या का आगामी 50 सालों के लिए निस्तारण हो जाएगा। मुख्यमंत्री धामी ने प्रधानमंत्री को राज्य

●आदि कैलाश यात्रा पर आने का निमंत्रण

में चल रही विकास परियोजनाओं की प्रगति के बारे में भी जानकारी दी तथा अपनी सरकार द्वारा अब तक लिए गए कुछ अहम फैसलों और उनके प्रभाव पर भी प्रधानमंत्री से चर्चा की। उन्होंने जोशीमठ आपदा प्रभावितों की मदद के लिए किए गए कामों की जानकारी देने के साथ केंद्र को भेजे गए पैकेज प्रस्ताव का भी जिक्र करते हुए कहा कि अगर राज्य को केंद्र से इस काम के लिए जल्द मदद मिल सके तो बेहतर होगा।

प्रधानमंत्री से मिलने से पूर्व आज सीएम धामी ने संसद भवन में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला से मुलाकात की तथा उन्हें राज्य के विकास के लिए चलने वाली योजनाओं से अवगत कराया इस दौरान केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर भी

मैं नाम के लिए काम नहीं करता:धामी

नई दिल्ली। इस अवसर पर पत्रकारों द्वारा जब उनसे उनका नाम देश के सौ पावरफुल लोगों की सूची में आने पर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि मैं नाम के लिए काम नहीं करता हूं। पार्टी ने मुझे जो जिम्मेदारी सौंपी है उसे पूरा करने का हर पल काम करने में मेरा भरोसा है। उन्होंने कहा कि हमने 2027 और 2030 के लिए एक विजन तैयार किया है। जिसमें राज्य को देश का सबसे उत्कृष्ट राज्य बनाने का लक्ष्य रखा है। पांच लाख लोगों को रोजगार का लक्ष्य है हम उसी लक्ष्य को सामने रखकर काम कर रहे हैं।

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

परिवहन मंत्री ने चारधाम यात्रा के लिए ग्रीन कार्ड का किया शुभारंभ

विशेष संवाददाता

देहरादून। ऋषिकेश में आयोजित एक कार्यक्रम में आज परिवहन मंत्री चंदन रामदास ने चारधाम यात्रा के लिए वाहन चालकों को ग्रीन कार्ड और ट्रिप कार्ड जारी करने का शुभारंभ किया। इससे पूर्व आज वह मसूरी बस दुर्घटना में घायलों को मिलने के लिए अस्पताल पहुंचे तथा उनके उचित इलाज के निर्देश दिए।

उल्लेखनीय है कि राज्य में अब चार धाम यात्रा के शुरू होने में महज 20 दिन का समय ही शेष बचा है। यात्रा की तैयारियों में जुटे शासन-प्रशासन द्वारा तैयारियां तेज कर दी गई है। परिवहन मंत्री चंदन रामदास आज इसी सिलसिले में ऋषिकेश पहुंचे जहां उन्होंने वाहन चालकों को ग्रीन कार्ड और ट्रिप कार्ड बांटने का शुभारंभ किया। इस अवसर पर परिवहन मंत्री ने कहा कि चारधाम यात्रा के लिए पर्याप्त वाहनों की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है जिससे कि चारधाम यात्रा पर आने वाले यात्रियों को आवागमन में किसी तरह की परेशानियां न हो। परिवहन व्यवस्था को सुचारू बनाने के

दून अस्पताल जाकर दुर्घटना के घायलों का जाना हाल

लिए निजी टूरिस्ट कंपनियों से भी अनुबंध किया गया है। यात्रा के लिए सभी वाहनों को ग्रीन कार्ड और ट्रिप कार्ड जारी करने की व्यवस्था की गई है।

इससे पूर्व परिवहन मंत्री आज दून अस्पताल पहुंचे जहां उन्होंने बस हादसे में हुए घायलों से मिलकर उनका हालचाल जाना और अधिकारियों को घायलों का उचित इलाज दिए जाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पीड़ितों की हर संभव मदद की जाएगी। उन्होंने

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

न्याय और इंसाफ का ब्रैंड है सीबीआई : पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज (सोमवार) दिल्ली में केंद्रीय जांच एजेंसी की डायमंड जुबली कार्यक्रम का उद्घाटन किया। वहीं, शिलांग, पुणे और नागपुर में सीबीआई के नवनिर्मित कार्यालय परिसरों का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि नए कार्यालयों का शुभारंभ सीबीआई को काम करने में अधिक सहायता प्रदान करेगा। सीबीआई की जांच की मांग के लिए आंदोलन किए जाते हैं, लोग कहते हैं कि मामले को सीबीआई को दें। न्याय और इंसाफ के ब्रैंड तौर पर सीबीआई का नाम सबकी जुबान पर है। पीएम मोदी ने कहा, देश की प्रीमियम इन्वेस्टिगेशन एजेंसी के रूप में 60 साल का सफर सीबीआई ने पूरा किया है। ये छह दशक कई उपलब्धियों के रहे हैं। आज सीबीआई के मामलों से जुड़े सुप्रीम कोर्ट का संग्रह जारी किया गया। ये सीबीआई के पिछले सालों के सफर को दिखाता है।

सूरत के सेशंस कोर्ट से राहुल गांधी को मिली जमानत, अगली सुनवाई 13 को

सूरत। सूरत सेशन कोर्ट ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की अपील को स्वीकार कर लिया है। राहुल गांधी को सेशन कोर्ट से जमानत मिली है। इस मामले में अगली सुनवाई 13 अप्रैल को की जाएगी।

राहुल गांधी को 13 अप्रैल तक जमानत भी दी गई है। वहीं मानहानि मामले में सजा के खिलाफ 3 मई को सुनवाई होगी। राहुल गांधी को 2019 लोकसभा चुनाव के दौरान मोदी सरनेम वाले बयान मामले में सूरत की निचली अदालत ने दो साल की सजा सुनाई थी। इसके बाद ही उनकी लोकसभा सदस्यता खत्म कर दी गई थी। इसके खिलाफ राहुल गांधी ने गुजरात के सूरत स्थित

सेशन कोर्ट का रुख किया है। 2019 चुनावी कैंपेन के दौरान कर्नाटक में राहुल गांधी ने मोदी सरनेम वाला बयान दिया था। इसी बयान पर उनको सूरत मजिस्ट्रेट कोर्ट ने दो साल की सजा सुनाई थी। सजा के बाद लोकसभा सचिवालय ने उनकी सदस्यता रद्द कर दी थी।

इस मामले में लेकर कांग्रेस का हंगामा भी चल रहा है। लोकसभा और राज्यसभा सांसद आज भी काले कपड़े पहनकर संसद पहुंचे थे। विपक्ष का आरोप है कि जान बूझकर ऐसा किया जा रहा है। 2024 में देशभर में चुनाव होने वाले हैं। अगर उनकी सदस्यता बहाल नहीं हुई तो वो 8 साल तक चुनाव नहीं लड़ पाएंगे। ऐसे में तो सवाल ये भी उठने लगे थे कि आखिर कांग्रेस का 2024 में चेहरा कौन होगा। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी दिल्ली में रैली करके केंद्र सरकार पर हमला बोला था। राहुल गांधी के सूरत पहुंचने से पहले गुजरात कांग्रेस के नेता उनका इंतजार कर रहे थे। पहले से ही आदेश दिया गया था कि सीनियर लीडर्स वहां पर मौजूद रहेंगे। राहुल की अपील के दौरान तीन सीएम भी मौजूद थे।

दून वैली मेल

संपादकीय

हादसा या जान से खिलवाड़

बीते कल मसूरी से देहरादून आ रही रोडवेज की बस 200 फीट गहरी खाई में गिर गई। इस हादसे में एक महिला और उसकी 15 साल की बेटी की मौत हो गई बस में सवार 35 लोग घायल हो गए। जिनमें से कई की हालत गंभीर है। गनीमत रही कि यह हादसा दिन के 12 बजे हुआ और एसडीआरएफ तथा आइटीबीपी के जवान बहुत जल्द पीड़ितों की मदद के लिए पहुंच गए जिससे कई लोगों की जान बच सकी अन्यथा बड़ी जनहानि भी हो सकती थी। हर हादसे के बाद जैसे सवाल उठाए जाते हैं उन सवालों का उठना भी लाजमी है क्योंकि हर हादसे का कोई न कोई तो कारण होता ही है। इस बस में सवार लोग जिनका अब अस्पतालों में इलाज चल रहा है उनमें से अधिकांश लोग इस बस के ड्राइवर को शराब के नशे में होने की बात कह रहे हैं। वहीं कुछ लोगों का कहना है कि ड्राइवर रेस ड्राइविंग कर रहा था। दुर्घटना के समय ड्राइवर नशे में था या नहीं अब इसकी पुष्टि नहीं हो सकती है क्योंकि वह दुर्घटना के बाद ही फरार हो चुका है। लेकिन अगर हादसा उसकी गलती के कारण नहीं हुआ होता तो शायद उसे भागने की जरूरत नहीं होती। हादसे के बाद भी वह खुद को सुरक्षित रहने की दिशा में हादसे का शिकार हुए लोगों की मदद करता। पहाड़ में होने वाली इस तरह की दुर्घटनाओं में 30 फीसदी से अधिक दुर्घटनाएं वाहन चालकों के नशे में होने के कारण ही होती है, इस सच को सभी जानते हैं। भले ही रोडवेज में नौकरी करने वाले सभी ड्राइवरों के लिए ड्यूटी के दौरान शराब पीने पर पाबंदी हो लेकिन ऐसे ड्राइवरों की कमी नहीं है जो ड्यूटी पर भी शराब पीते हैं। अहम सवाल यह है कि विभागीय अधिकारी और कर्मचारी भी इनके खिलाफ कार्रवाई करने की बजाय इनका बचाओ ही करते नजर आते हैं जबकि ड्यूटी के दौरान शराब पीने वाले इन कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की जरूरत है। यात्रियों की जान से खिलवाड़ का बड़ा अपराध करने वाले इन ड्राइवरों को नौकरी पर रखना किसी भी सूरत में ठीक नहीं है। जो ड्राइवर खुद तो हादसे के समय कूदकर भाग गया क्या वह 37 लोगों की जान संकट में डालने का जिम्मेदार नहीं है यह परिवहन मंत्री और अधिकारियों के लिए मंथन का विषय है। बताया यह भी जा रहा है कि हादसे का शिकार हुई यह बस इस रूट के लिए अनुबंधित ही नहीं थी फिर इस बस को मसूरी रूट पर क्यों भेजा गया यही नहीं इस बस का बीमा न होने की बात भी सामने आ रही है अगर इस बस का बीमा नहीं था तो मृतकों व घायलों को यात्री बीमा का लाभ भी नहीं मिल सकता है। सड़क हादसा अगर किसी तकनीकी खराबी जैसे ब्रेक फेल होना या फिर टायर फट जाना आदि कारणों से होता है तो यह समझा जा सकता है, यह एक दुर्घटना थी और दुर्घटनाओं को रोका नहीं जा सकता है लेकिन अगर रैश ड्राइविंग अथवा नशें में वाहन चलाने जैसी स्थिति में अगर दुर्घटना होती है तो उसे दुर्घटना नहीं कहा जा सकता है। ऐसी स्थिति में कोई बीमा कंपनी भी क्लेम नहीं देती है। किसी भी दुर्घटना पर शोक जताना और मृतकों को तथा घायलों को मुआवजा व सहायता राशि देकर सरकार और विभाग द्वारा अपने कर्तव्य की इतिश्री कर लेना जैसे एक परंपरा बन चुकी है जो सर्वथा गलत है। हर जान की कीमत क्या होती है यह मरने वालों के परिजनों जानते हैं। अच्छा होता कि इन हादसों की रोकथाम के प्रभावी उपायों पर ज्यादा ध्यान दिया जाए।

दो मोटरसाईकिल की भिडंत में एक की मौत

संवाददाता

देहरादून। दो मोटरसाईकिल की भिडंत में एक की मौत हो गयी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार छरबा निवासी इल्ताफी उर्फ इल्ताफ अपनी मोटरसाईकिल से सहसपुर से घर की तरफ जा रहा था जब वह चांदचक के पास पहुंचा तभी सामने से आ रही मोटरसाईकिल सवार ने उसकी मोटरसाईकिल को टक्कर मार दी। जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गया। आसपास के लोग उसको लेकर अस्पताल पहुंचे जहां पर चिकित्सकों ने उसको मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मृतक के भाई की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

एन्द्र याहि पीतये मधु शविष्ठ सोम्यम्।
नायमच्छा मघवा शृणवद्गिरो ब्रह्मोक्था च सुक्रतुः॥

(ऋग्वेद ८-३३-१३)

चाहे कोई कितना भी बलवान, बुद्धिमान और धनवान हो जाए, वह तब तक दिव्य आनंद को भोग नहीं सकता जब तक कि उसे वेद आदि का ज्ञान ना हो जाए।

No matter how strong, intelligent, and wealthy one becomes, he cannot enjoy divine bliss unless he has knowledge of the Ved, etc. (Rig Ved 8-33-13)

शिक्षक लाखन लाल की सेवा एक प्रेरणादायक उदाहरण

कार्यालय संवाददाता

मुनस्यारी। 34 वर्ष की यंग ऐज में विज्ञान विषय में सहायक अध्यापक पद पर पहली नियुक्ति में वर्ष 1997 में राजकीय इंटर कालेज मुनस्यारी आए यूपी के राय बरेली के लाखन लाल मुनस्यारी के होकर यहां रच एवं बस गए। 26 साल एक ही विद्यालय में सेवा करने के बाद 31 मार्च को 26 साल की प्रशंसनीय सेवा के बाद रिटायर हो गए। सरकारी सेवा के क्षेत्र में काला पानी के रूप में देखें जाने वाले मुनस्यारी में अनवरत रूप से शिक्षक लाखन लाल की सेवा उत्तराखंड में एक प्रेरणादायक उदाहरण है।

यह कोई फिल्म की कहानी नहीं, एक हकीकत है। यूपी में उत्तराखंड को पनिसमेंट क्षेत्र माना जाता है। आज उत्तराखंड में मुनस्यारी को भी इसी श्रेणी में रखा गया है। साथ में शिक्षक लाखन लाल जैसे शिक्षक एवं कर्मचारियों ने इस क्षेत्र को तमाम भौगोलिक विषमता, मूलभूत सुविधाओं के अभाव के बाद भी अपनाया ही नहीं स्वीकार कर अंगीकार भी किया है। एक सच्ची कहावत है कि उत्तराखंड के किसी भी जिले में कोई कार्मिक थोड़ी सी भी लापरवाही करे तो उसे कहां जाता है कि सुधर जा वर्ना मुनस्यारी भेज देंगे। हल्द्वानी में एक बार एक डीआईजी का बयान चर्चा में आया था कि ठीक

ढंग से काम करों वर्ना मुनस्यारी भेज देंगे। आज भी मुनस्यारी के बारे में वर्षों से चली आ रहे सरकारी शब्द कोष नहीं बदले हैं। तब की कैसी स्थिति होगी।

उत्तर प्रदेश के जिला राय बरेली के ग्राम पंचायत सेवा खेरा मलरे जीगों पोस्ट आफिस तिलेण्डा निवासी लाख लाल अपनी पत्नी श्रीमती फूलदुलारी के साथ मुनस्यारी आए। एक जिम्मेदार शिक्षक के रूप में अपनी पहचान बनाकर शिक्षक लाखन लाल ने शिक्षा के इतिहास में अपना नाम दर्ज कर दिया है। इस क्षेत्र के पुरातन छात्र तथा नवीन छात्रों के बीच लाखन लाल की भूमिका आर्दश शिक्षक की बनी हुई है।

मुनस्यारी में दो बच्चों का जन्म हुआ। बेटा सिद्धार्थ कुमार ने उत्तराखंड बोर्ड की परीक्षा में राज्य में पहली बार द्वितीय स्थान प्राप्त कर यहां के बच्चों के लिए सीढ़ी बनाकर प्रेरणा दी। उसके बाद यहां से राज्य स्तर पर बोर्ड परिक्षाओं में प्रथम भी बच्चे आने लगे है।

वर्तमान में सिद्धार्थ राजकीय पालीटेक्निक कालेज बहराइच में भौतिक विज्ञान के प्रवक्ता है और सिविल सेवा की तैयारियां कर रहे है।

पढ़ने में होनहार बेटी सुश्री रितम्बरा उड़ीसा के भुवनेश्वर में इनकम टैक्स डिपार्टमेंट में डिविजनल एकाउंट के पद पर सेवारत है।

आज भी मुनस्यारी के मूल निवासी डाक्टर तथा शिक्षक रोज सुविधा जनक स्थानों में स्थानांतरित होने के लिए तिकड़म बाजी में लगे रहते है, उसी मुनस्यारी में लाखन लाल जैसे शिक्षक उदाहरण बन गए है।

जिपंस जगत मर्तोलिया ने कहा कि शिक्षक लाखन लाल एक प्रेरणादायक उदाहरण है। इसलिए पंचायत प्रतिनिधियों के साथ यहां के सभी सामाजिक, सांस्कृतिक एवं राजनैतिक संगठनों ने तय किया है कि शिक्षक लाखन लाल की ऐतिहासिक सेवा की तरह विदाई भी ऐतिहासिक की जाएगी। इसके लिए खंड शिक्षा अधिकारी बिनोद सिंह से बातचीत की गई है। उन्होंने कहा कि जोहार क्षेत्र की परम्परा है कि हम अतिथियों तथा उल्लेखनीय सेवा करने वालों को हमेशा सम्मान देते है। विदाई समारोह में पुरातन छात्र एवं छात्राओं को भी आंमत्रित किया जाएगा।

बिजली व पानी के मूल्यों में वृद्धि व भ्रष्टाचार के विरोध में पुतला दहन

नगर संवाददाता

देहरादून। संयुक्त विपक्षी दलों एवं जनसंगठनों ने आज राजपुर रोड़ गांधी पार्क के पास बिजली ,पानी के बिलों में भारी बढ़ोत्तरी तथा नगर निगम देहरादून मे भारी भ्रष्टाचार के खिलाफ पुतला दहन किया गया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन मे संयुक्त विपक्षीदलों ने राज्य सरकार द्वारा बिजली में 10 प्रतिशत तथा पानी में 15 प्रति वृद्धि का जोरदार विरोध किया तथा मूल्यावृद्धि वापस लेने की मांग की है। संयुक्त विपक्षीदलों ने अपने ज्ञापन में कहा है कि मूल्यवृद्धि के चलते जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा तथा उद्योग धन्धों पर बुरा असर पड़ेगा , साथ ही बिजली पानी की मूल्यवृद्धि के कारण सभी आवश्यक सेवाऐं एवं मंहगाई मे बढ़ोत्तरी होगी अत: जनहित यह बढ़ोतरी वापस हो ।

नगर निगम में व्याप्त भ्रष्टाचार एवं मेयर की सम्पत्ति विवाद पर उच्च स्तरीय जांच की मांग को लेकर मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन में संयुक्त विपक्षीदलों ने कहा कि टैक्स विभाग में भारी हेराफेरी के कारण आये दिन भवन करदाता निगम का चक्कर काटते रहते हैं । बार बार कम्प्यूटर अपडेट के नाम से करदाताओं के नाम काटकर उनसे पुन: नाम जोड़ने के लिए पैसे लिये जाना आम बात है ।संयुक्त विपक्षीदलों ने एकस्वर इस सन्दर्भ में आवश्यक कार्यवाही की मांग की। इस अवसर पर सीपीएम के राजेंद्र पुरोहित ,अनन्त आकाश ,राष्ट्रीय उत्तराखण्ड पार्टी के नवनीत गुंसाई बालेश बवानिया ,सपा के अतुल शर्मा, सीपीआई के एस एस रजवार ,सीटू के लेखराज ,भगवन्त पयाल रामसिंह भण्डारी, एटक के अशोक शर्मा ,जनवादी महिला समिति इन्दु नौटियाल ,दमयंती नेगी ,नुरैशा अंसारी ,उत्तराखण्ड आन्दोलकारी संयुक्त परिषद सुरेशकुमार, जगमोहन सिंह, एआईएलयू के शम्भुपप्रसाद,पीएसएम के विजय भटु ,इन्देश नौटियाल,नेताजी संघर्ष समिति के प्रभात डण्डरियाल, द्वारिका डिमरी ,अमित सिंह ,रामपाल अशोक विनोद ,पिन्टू आदि बड़ी संख्या में लोग शामिल थे।

एक सूत्री मांग को लेकर एसोसिएशन ने किया नगर आयुक्त का घेराव

संवाददाता

हरिद्वार। अपनी एक सूत्री मांग को लेकर लघु व्यापारी एसोसिएशन ने नगर आयुक्त कार्यालय पर धरना प्रदर्शन कर घेराव किया।

आज यहां रेडी पटरी के (स्ट्रीट वेंडर्स) लघु व्यापारियों के सामूहिक संगठन लघु व्यापार एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा के नेतृत्व में सहायक नगर आयुक्त फेरी समिति प्रभारी अधिकारी श्याम सुंदर प्रसाद के कार्यालय पर जोरदार प्रदर्शन के साथ सहायक नगर आयुक्त के कार्यालय पर धरना प्रदर्शन कर सहायक नगर आयुक्त श्याम सुंदर प्रसाद का घेराव किया। घेराव कर रहे रेडी पटरी के लघु व्यापारियों ने अपनी एक सूत्रीय मांग. भगत सिंह चौक से सेक्टर टू बैरियल तक ढाई सौ रेडी पटरी के

लघु व्यापारियों की क्षमता का तीसरा वेंडिंग जोन के लाभार्थियों की सूची प्रकाशित किए जाने की मांग को प्रमुखता से दोहराया। इस अवसर पर धरना प्रदर्शन कर घेराव कर रहे लघु व्यापारियों को आश्वस्त करते हुए सहायक नगर आयुक्त श्याम सुंदर प्रसाद ने कहा एक सप्ताह के भीतर भगत सिंह चौक से सेक्टर टू बैरियल के तीसरे वेंडिंग जोन की लाभार्थियों की सूची प्रकाशित कर दी जाएगी। उन्होंने कहा नगर निगम प्रशासन द्वारा स्थानीय लघु व्यापारियों का सत्यापन व वर्ष 2018 के सर्वे कार्ड, एलोआर इत्यादि दस्तावेज का प्रशिक्षण किया जा रहा है। स्थानीय कारोबारी लघु व्यापारियों को ही प्रथम रूप से तीसरे वेंडिंग जोन भगत सिंह चौक सेक्टर-2 बैरियल स्थापन की कार्रवाई प्रचलन में है।

स्वच्छता जागरुकता रैली को नोडल अधिकारी नामित

रुद्रप्रयाग (कासं)। केदारनाथ धाम एवं यात्रा मार्ग के मुख्य पड़ाव में बेहतर साफ-सफाई व्यवस्था सुनिश्चित कराये जाने एवं स्वच्छता जागरुकता रैली आयोजित किये जाने के लिए जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने कार्यक्रम रोस्टर जारी करते हुए कार्यक्रम की सफलता के लिए जिला कार्यक्रम एवं बाल विकास अधिकारी को ओवर ऑल नोडल अधिकारी एवं नगर पालिका, नंगर पंचायत एवं सम्बन्धित संस्थाओं के अधिकारियों को नोडल अधिकारी नामित किया गया है।

जिलाधिकारी के आदेशों के अनुपालन में केदारनाथ मार्ग एवं विभिन्न पडावों एवं केदारनाथ धाम में बेहतर साफ-सफाई व्यवस्था एवं स्वच्छता जागरुकता रैली आयोजन किये जाने के लिए मुख्य विकास अधिकारी नरेश कुमार की अध्यक्षता में विकास भवन कार्यालय कक्ष में सम्बन्धित अधिकारियों के साथ कार्यक्रम की सफलता के लिए बैठक आयोजित की गयी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिये है कि केदारनाथ धाम व यात्रा मार्ग के विभिन्न पडावों में बेहतर साफ-सफाई व्यवस्था कराये जाने के लिए आम जनमानस को स्वच्छता के प्रति जागरुक किये जाने के लिए जागरुकता रैली का आयोजन किया जाना है, जिसके लिए दिनांक 20 अप्रैल, 2023 को गुप्तकाशी में स्वच्छता आयोजन कार्यक्रम किया जाना है, जिसके लिए नोडल अधिकारी सेवा इंटरनेशनल को नामित किया गया है। जिसमें सुलभ इंटरनेशनल, स्वजल, जिला पंचायत एवं नेहरु युवा केन्द्र इस कार्यक्रम में सहयोग करेगे। सीतापुर में स्वच्छता जागरूकता रैली का आयोजन किया जायेगा जिसके लिए नेहरू युवा केन्द्र नोडल अधिकारी होगे तथा दिनांक 04 मई को सोनप्रयाग में स्वच्छता रैली का आयोजन होगा। जिसके जिला पंचायत को नोडल अधिकारी नामित किया गया है। दिनांक 11 मई को गौरीकुण्ड में स्वच्छता रैली का आयोजन किया जायेगा जिसके लिए सुलभ इंटरनेशनल को नोडल अधिकारी नामित किया गया है। जिसमे वन विभाग, युवा कल्याण सहयोग करेगा। दिनांक 18 मई को केदारनाथ धाम में स्वच्छता जागरूकता रैली का आयोजन किया जायेगा जिसके लिए नगर पंचायत केदारनाथ को नोडल अधिकारी नामित किया गया है जिसके गढवाल मण्डल विकास निगम, जिला पंचायत, सुलभ इंटरनेशनल सहयोग करेगा। दिनांक 25 मई 2023 को बडी लिनचोली में स्वच्छता जागरूकता रैली का आयोजन किया जायेगा जिसमें गढ़वाल मण्डल विकास निगम को नोडल अधिकारी नामित किया गया है। जिसमें जिला पंचायत एवं सुलभ इंटरनेशनल सहयोग करेगा। दिनांक 16 जून को गुप्तकाशी में स्वच्छता जागरूकता रैली का आयोजन किया जायेगा। जिसमें सेवा इंटरनेशनल को नोडल अधिकारी नामित किया गया है।

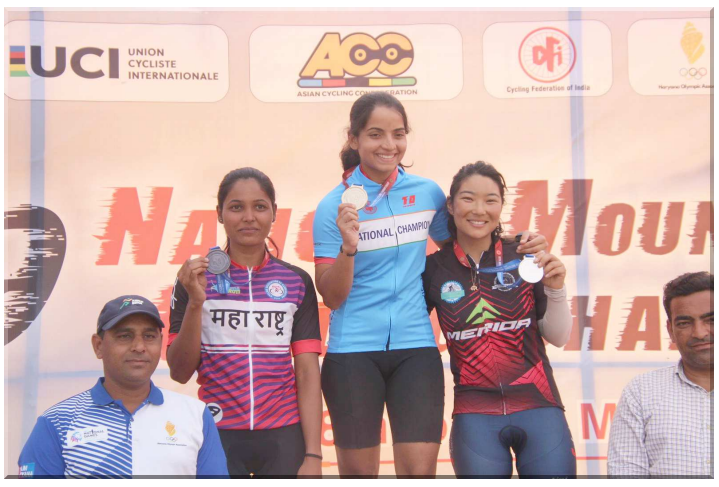

नेशनल माउण्टेन बाईकिंग चैम्पियनशिप रेस में उत्तराखण्ड की सुनिता श्रेष्ठा ने जीता रजत पदक

पंचकुला (कासं)। साइक्लिंग फेडरेशन ऑफ इण्डिया द्वारा मोरनी हिल्स, पंचकुला, हरियाणा में 19वें नेशनल माउण्टेन बाईकिंग चैम्पियनशिप का आयोजन किया गया, जिसमें देश के 28 राज्यों के 550 साईक्लिस्टों ने प्रतिभाग किया। इस राष्ट्रीय माउण्टेन बाईकिंग चैम्पियनशिप रेस का शुभारम्भ मनिन्द्र पाल सिंह, प्रधान सचिव, साइक्लिंग फेडरेशन ऑफ इण्डिया द्वारा किया गया। नेशनल माउण्टेन बाईकिंग चौम्पियनशिप रेस में एलीट वोमेन केटेगरी के क्रॉस कंट्री इवेंट में उत्तराखण्ड से सुनिता श्रेष्ठा, निवासी हर्षिल, उत्तरकाशी ने राष्ट्रीय स्तर पर द्वित्तीय स्थान प्राप्त कर सिल्वर मेडल अपने नाम किया। प्रथम स्थान पर महाराष्ट्र से परिणिता सोमन एवं महाराष्ट्र की रूतीका ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। साथ ही टीम रिले रैस में टीम उत्तराखण्ड ने तृतीय स्थान प्राप्त कर ब्रान्स मेडल अपने नाम किया है।

अनजाने में की गई गलतियां आपके नेल्स को पहुंचाती हैं बड़ा नुकसान

अगर आपके नाखून खूबसूरत हों, पूरी तरह शेप में हों और मजबूत हों तो हाथों की खूबसूरती और बढ़ जाती है। जिस तरह आप अपनी स्किन और बालों पर फोकस करती हैं, ठीक उसी तरह नेल्स की केयर करना भी बेहद जरूरी है। हम जानते हैं कि आप दिन-प्रतिदिन नाखूनों और नेलपॉलिश के बारे में ढेरों रिसर्च करती रहती हैं, लेकिन आपने कभी इस बात पर गौर किया है कि क्या आपके नाखून वास्तव में उतने ही मजबूत और स्वस्थ हैं जितने वे हो सकते हैं? जिस तरह एक आउटफिट को चुनने में आपको कम से कम 30 मिनट से अधिक का समय लगता हो तो अपने नाखूनों को स्वस्थ और शानदार बनाने के लिए क्या हम 15 मिनट भी नहीं दे सकते। जी हां, आज हम आपको कुछ ऐसी आदतें बताने जा रहे हैं, जिनकी वजह से आपके नेल्स को बहुत नुकसान हो रहा है।

नेल पालिश स्क्रैच करना

जब हम अपने नेल्स पर नेलपॉलिश लगाते हैं, तब तो वह देखने में काफी अच्छी लगती है, लेकिन जब धीरे-धीरे उतरने लगती है तो हम से ज्यादातर लड़कियां नेल्स पर लगी हुई पॉलिश को उंगली से स्क्रैच करके उतार देती है। ऐसा करने से नाखूनों से सिर्फ पॉलिश ही नहीं उतरती, बल्कि नेल्स की टॉप लेयर भी उतर जाती है। जो हमारे नेल्स को बेहद नुकसान पहुंचाती है। इसलिए अगर आपको कभी भी पॉलिश उतारनी है तो आप अब ऐसी गलती बिल्कुल न करें। आप नेलपॉलिश निकालने के लिए हमेशा ब्रांडेड नेलपॉलिश रिमूवर का ही इस्तेमाल करें।

बेस कोट का इस्तेमाल न करना

ज्यादातर लड़कियां नेलपॉलिश लगाते समय बेस कोट का इस्तेमाल नहीं करती हैं। लेकिन नेल्स को हमेशा हेल्दी बनाएं रखने के लिए यह एक बेहद जरूरी स्टेप है। बेस कोट न केवल आपके नाखूनों को मजबूत बनाने में मदद करता है, बल्कि इससे आप बाद में नेलपॉलिश आसानी से रिमूव भी कर सकती हैं। यह आपके नाखूनों के नेचुरल ऑयल्स के बीच एक बैरियर की तरह काम करत हैं। साथ ही गहरे रंग के नेलपॉलिश के हार्मफुल केमिकल्स से नेल्स को प्रोटेक्ट करने में भी मदद करता है। अब आप इस बाटी को गांठ बांध लें, जब भी नेलपेंट लगाएं तो उस पर पहले बेसकोट लगाना न भूलें।

गलत खानपान

आप जो भी खाती हैं, उसका सीधा असर आपके शरीर पर पड़ता है। अगर आपकी डायट सही नहीं है तो आपके नाखूनों की सेहत कभी भी सही नहीं होगी। अगर आप बहुत अधिक सोडा यानि कोल्ड ड्रिंक्स पीती हैं तो आपके ब्यूटीफुल नेल्स खराब हो सकते हैं। बेहतर होगा कि आप अपनी डायट में हरी पत्तेदार सब्जियां, मैग्नीशियम रिच फूड को शामिल करें। साथ ही साथ इस बात की भी कोशिश करें कि हेल्दी खानपान के साथ आपके वाटर इनटेक (मिनिमम 8 ग्लास पानी) भी अच्छा हो।

नेल्स को मुंह से काटना

हमसे से ज्यादातर महिलाएं अपने छोटे-छोटे नेल्स को नेलकटर से कटाने के बजाए मुंह से कुतरना ज्यादा पसंद करती हैं। लेकिन आपको लगता है छोटे-छोटे और कच्चे नाखूनों को हाथ से तोड़ना या फिर मुंह से कुतरना सही है तो आप गलत हैं। यह आदत आपके नाखूनों से आपके मुंह तक बैक्टीरिया के हस्तांतरण को भी बढ़ावा देती है, जिससे आप बहुत हद तक बीमार हो सकती हैं। अगर आप इस आदत को छोड़ना चाहती हैं तो आप अपने नाखूनों पर नेलपॉलिश लगाते समय ही उन्हें चोम्प कर लें।

हेवी चीजों को खोलने के लिए

भारी-भारी बर्तन धोने से लेकर हेवी चीजों को खोलने के लिए आप अपने नाखूनों का उपयोग करने से बचें। आप चाहे तो बर्तन धोने के लिए रबर से बने दस्ताने का उपयोग कर सकती हैं। यही नहीं, आप लापरवाही से सोडा खोलने की कोशिश कर रही हों या सिर्फ अपनी जींस की ज़िप खींच रहीं हों, ऐसी स्थिति में सुनिश्चित करें कि आप अपनी उंगलियों का उपयोग कर रहे हों, न कि अपने नाखूनों का। इससे न केवल आपके नाखून कमजोर होंगे बल्कि बहुत जल्दी वो टूट भी जाएंगे।

सिर घूमने पर आजमाएं ये 5 घरेलू नुस्खे, तुरंत मिलेगी समस्या से राहत

चक्कर आना एक सामान्य समस्या है और शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति होगा जिसने कभी इसका अनुभव न किया हो। चक्कर आने की स्थिति में सुधार करने के लिए गहरी सांस लेना सबसे अच्छा उपाय है। यह मस्तिष्क के सभी हिस्सों को पर्याप्त ऑक्सीजन पहुंचाता है। इससे तंत्रिका तंत्र को आराम मिलता है और चक्कर आना कम हो सकता है। इसके अलावा आप इससे राहत के लिए यहां बताए जा रहे कुछ घरेलू नुस्खे भी आजमा सकते हैं।

खुद को रखें हाइड्रेटेड

कई बार लो ब्लड प्रेशर या फिर डिहाइड्रेशन की समस्या के कारण भी चक्कर का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में इससे बचाव के लिए ज्यादा से ज्यादा पानी और ताजे फलों के जूस का सेवन करें। इसी के साथ स्पोर्ट्स ड्रिंक्स का भी सेवन किया जा सकता है। हालांकि, अगर आप स्वास्थ्य संबंधित किसी तरह की परेशानी से जूझ रहे हैं तो स्पोर्ट्स ड्रिंक्स के सेवन से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

आंवला और धनिये के बीज का इस्तेमाल

आंवला और धनिये के बीज में पर्याप्त मात्रा में विटामिन- ए होता है, जो सिर घूमने या चक्कर आने के प्रभाव को कम कर सकता है। यदि आप अक्सर चक्कर आने की समस्या से जूझते हैं तो इस मिश्रण को अपनी डाइट में जरूर शामिल करें। लाभ के लिए आंवले और 2 बड़ी चम्मच धनिये के बीज को पानी में मिलाकर रातभर के लिए छोड़ दें और फिर अगली सुबह इसका सेवन करें।

तुलसी और साइप्रस का तेल आएगा काम

तुलसी और साइप्रस के तेल का मिश्रण चक्कर आने के प्रभाव को कम करने में काफी मदद कर सकता है। इसके लिए एक डिफ्यूजर में तुलसी के तेल की 2 से 3 बूंद और साइप्रस के तेल की दो बूंद डाल लें। इसके बाद डिफ्यूजर को चालू करके अपने कमरे में रख दें। जैसे-जैसे तेल की महक आपके संपर्क में आएगी, वैसे ही आपको चक्कर और सिरदर्द से छुटकारा मिलना शुरू हो जाएगा।

सेब का सिरका भी है कारगर

रक्त शर्करा में गिरावट आने के कारण भी चक्कर आ सकता है। खाद्य पदार्थ शर्करा के स्तर को बनाए रखने में अधिक समय लेते हैं, लेकिन सेब के सिरके को एक गिलास पानी में मिलाकर पीने से कम समय में शर्करा के स्तर को स्थिर किया जा सकता है। अगर पानी गुनगुना हो तो यह प्रभावी ढंग से आपकी समस्या को दूर कर सकता है।

अदरक से मिलेगा आराम

चक्कर से राहत दिलाने में अदरक भी काफी मदद कर सकती है। लाभ के लिए सबसे पहले एक पैन में 1 कप दूध को उबालें और उबाला आ जाने के बाद उसमें आधी चम्मच चायपत्ती के साथ थोड़ा सा कदूकस किया हुआ अदरक डालें। अब पैन में स्वादानुसार चीनी डालकर चाय को अच्छी तरह उबालें। इसके बाद चाय को छन्नी से छानकर कप में डालकर इसका सेवन करें। आप चाहें तो कच्ची अदरक का भी सेवन कर सकते हैं। (आरएनएस)

एक और आत्म निर्भरता ?

नागरिक विमानन ने मंत्री के मुताबिक भारत चाहता है कि उसकी घरेलू कंपनियां ज्यादा संख्या में उड़ानें चलाएं। वे नए उड़ान केंद्र स्थापित करें और विदेशी प्रतिद्वंद्वियों के घरेलू विमान क्षेत्र में बने वर्चस्व को खत्म करें।

अगर बात सिर्फ 'आत्म निर्भर भारत' जैसे जुबानी जमा-खर्च की ना हो, तो यह इरादा अच्छा है। नागरिक विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के मुताबिक भारत चाहता है कि उसकी घरेलू कंपनियां ज्यादा संख्या में उड़ानें चलाएं। वे नए उड़ान केंद्र स्थापित करें और विदेशी प्रतिद्वंद्वियों के घरेलू विमान क्षेत्र में बने वर्चस्व को खत्म करें। हालांकि वैश्विक पूंजी निवेश के आज दौर में देशी और विदेशी कंपनियों की पहचान आसान नहीं रह गया है, फिर भी अगर मूल रूप से भारत में निर्मित हुई कंपनियों का कारोबार बढ़ता है, तो आम तौर पर उसका स्वागत किया जाएगा। लेकिन इस बात पर गौर कीजिए। सिंधिया ने भारत में उत्पादन को बढ़ाने पर भी जोर दिया है। उत्पादन बढ़ाने की बात तब आती है, जब कोई देश किसी चीज के उत्पादन की क्षमता रखता हो। क्या सचमुच भारत विमान उत्पादन में सक्षम हो चुका है? अगर ऐसा है, तो हाल में एयर इंडिया ने फ्रांस और अमेरिका की कंपनियों को 470 नए विमानों का ऑर्डर क्यों दिया? इसलिए सिंधिया के ताजा बयान को सवाल भरी निगाहों से देखा जाएगा। एक समाचार एजेंसी को दिए इंटरव्यू में उन्होंने कहा- भारत अब एक अहम मोड़ पर खड़ा है। आने वाले सालों में भारत में एयर ट्रैफिक का विस्फोट देखने को मिलेगा।

एयर ट्रैफिक में बढ़ोतरी होना और उस ट्रैफिक के संचालन में आत्म निर्भरता दो अलग-अलग बातें हैँ। एयर ट्रैफिक तो पहले से भी बढ़ रहा है। दरअसल, विमानन के क्षेत्र में भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते बाजारों में से रहा है। लेकिन अंतरराष्ट्रीय यात्राओं के मामले में अब भी अंतरराष्ट्रीय विमानन कंपनियों का ही वर्चस्व है, जिनके पास ज्यादा सक्षम विमानन केंद्र हैं। अब अगर भारत चाहता है कि अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की बढ़ती संख्या का आर्थिक लाभ खुद उठाए, तो उसके लिए एक अलग किस्म की तैयारी करनी होगी। आशा है, सिंधिया ने उपरोक्त बातें कहने के पहले ऐसी तैयारियों की कोई योजना भी बनाई होगी। यह बात इसलिए कहने की जरूरत महसूस हुई है, क्योंकि वर्तमान सरकार के दौर में बड़बोलापन हवाई स्तर तक पहुंच चुका है। अगर इस मामले में बात वैसी ना हो, तो यह अच्छी बात होगी। (आरएनएस)

सुन भर लेने की चेतावनी

अब तो दुनिया कुछ इस तरह बंट गई है कि साझा चिंता के विषय कहीं पीछे छूट गए हैँ। बहरहाल, संयुक्त राष्ट्र की अंतर-सरकारी एजेंसी- आईपीसीसी ने फिर एक रिपोर्ट पेश की है। लेकिन उसकी परवाह कौन करेगा?

जलवायु परिवर्तन से संबंधित चेतावनियों से पहले भी कोई ज्यादा फर्क नहीं पड़ रहा था, लेकिन अब तक इनका महत्त्व बस सुन भर लेने लायक बचा है। यूक्रेन युद्ध के पहले तक यह स्थिति कि ऐसी चेतावनियों पर दुनिया भर की सरकारें चिंता जताती थीं। वे जलवायु परिवर्तन रोकने के लिए वैश्विक साझा प्रयासों का संकल्प दिखाती थीं। लेकिन अब तो दुनिया कुछ इस तरह बंट गई है कि साझा चिंता के विषय कहीं पीछे छूट गए हैँ। बहरहाल, संयुक्त राष्ट्र की अंतर-सरकारी एजेंसी- आईपीसीसी ने फिर एक रिपोर्ट पेश की है। समिति की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक इस सदी के अंत की बजाए अगले 17 साल में ही वैश्विक तापमान में 1.5 डिग्री की वृद्धि हो सकती है। 36 पन्नों की रिपोर्ट को समरी फॉर पॉलिसीमेकर्स नाम दिया गया है। आईपीसीसी की इस छठी रिपोर्ट में कहा गया है कि बीते वर्षों में जो भी गर्मी देखी गई, वह आने वाले वर्षों के मुकाबले ठंडी महसूस होगी। यानी तपिश इतनी ज्यादा बढ़ जाएगी बीते वर्षों की गर्मियां उनके आगे ठंडी लगने लगेंगी। तो अब कई वैज्ञानिकों का अनुमान है कि मौजूदा हालात बने रहे, तो साल 2100 तक पृथ्वी का औसत तापमान 1.8 डिग्री सेल्सियस बढ़ जाएगा। इसका असर आधी इंसानी आबादी पर पड़ेगा। बहुत ज्यादा गर्मी और अत्यधिक नमी जानलेवा साबित होगी। रिपोर्ट में शामिल विश्व मानचित्र में दिखाया गया है कि दक्षिण पूर्वी एशिया और ब्राजील और पश्चिमी अफ्रीका के कुछ इलाकों को भीषण गर्मी झेलनी पड़ेगी। जाहिर है, ये परिवर्तन दुनिया की अर्थव्यवस्था पर भी भारी पड़ेंगे। वे सामाजिक ताने-बाने पर भी असल डालेंगे। गौरतलब है कि यूक्रेन युद्ध की वजह से पैदा हुए ऊर्जा संकट के कारण कई यूरोपीय देशों में बिजली बनाने के लिए कोयले का इस्तेमाल फिर से बढ़ा है। जबकि पहले यूरोप ही जलवायु परिवर्तन से मुकाबले में सबसे आगे दिखता था। ताजा घटनाक्रम के कारण ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन फिर से बढ़ने की आशंका है। ऐसे में उत्सर्जन घटाने की बातों का कितना वजन बचता है? आज की दुनिया अपने वर्तमान और स्वार्थ में बेहद सिमट चुकी है। इससे भविष्य संवारने की आशा रखना बेमतलब ही है।(आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

समय से पहले सफेद बालों से बचने के लिए अपनाएं ये तरीके

बढ़ती उम्र के साथ बाल सफेद होना आम बात है, लेकिन आजकल कम उम्र में ही कई लोगों के बाल सफेद हो रहे हैं। बालों में मेलनिन नाम का पिग्मेंट पाया जाता है, जो उम्र बढ़ने के साथ-साथ कम होने लगता है और बाल सफेद होने लगते हैं। अगर आप समय से पहले अपने बाल सफेद होने की समस्या से बचना चाहते है तो आइए आज हम आपको इसके लिए पांच तरीके बताते हैं।

आंवला है प्रभावी

एंटी-ऑक्सिडेंट से भरपूर आंवला का उपयोग बालों को सफेद होने से बचाने के लिए हेयर टॉनिक के रूप में किया जा सकता है क्योंकि यह न केवल बालों के विकास और मजबूती को बढ़ावा देता है बल्कि बालों के मेलनिन को भी बढ़ाता है। लाभ के लिए कुछ आंवलों को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर इन्हें एक गिलास पानी में डालकर उबाल लें। अब मिश्रण को ठंडा होने करके इसे सिर पर लगाएं, फिर सिर को सामान्य तरीके से धो लें।

नारियल के तेल से करें सिर की मालिश

नारियल का तेल अपने मॉइस्चराइजिंग गुणों के कारण सफेद बालों को कम करने और इसे पोषण देने में मदद कर सकता है। लाभ के लिए अपने स्कैल्प और बालों पर वर्जिन नारियल का तेल लगाकर हल्के हाथों से मालिश करें। इसे एक घंटे के लिए छोड़ दें, फिर सिर को हल्के क्लींजर से धो लें। इसके बाद सिर पर कंडीशनर का भी इस्तेमाल करें। हफ्ते में 1-2 बार ऐसा करें।

एलोवेरा लगाएं

एलोवेरा में कैल्शियम, सेलेनियम, जिंक, और कॉपर जैसे खनिज होते हैं, जो बालों के मेलनिन को बढ़ाकर बालों को समय से पहले सफेद होने से बचा सकते हैं। लाभ के लिए एक कप ताजा एलोवेरा जेल लें और फिर इसे मेंहदी या कॉफी के साथ मिलाकर इसका इस्तेमाल करें। इस मिश्रण को सिर पर लगाएं और जब यह सूख जाए तो सिर को पानी से धो लें।

करी पत्ता आएगा काम

करी पत्ते के अर्क में बायोएक्टिव यौगिक होते हैं, बालों को समय से पहले सफेद होने से बचाने में मदद कर सकते हैं। लाभ के लिए एक कप नारियल के तेल में 15-20 करी पत्ते डालकर उबालें और फिर जब तेल का रंग काला हो जाए तो गैस बंद कर दें। तेल को ठंडा करके इसे सिर पर लगाएं और 1 घंटे के बाद सिर को माइल्ड क्लींजर से साफ कर लें।

ब्लैक कॉफी का करें इस्तेमाल

ब्लैक कॉफी का इस्तेमाल भी बालों को समय से पहले सफेद होने से बचा सकता है। लाभ के लिए 2 से 3 कप पानी उबालें और एक दूसरे कप में 4 से 5 चम्मच कॉफी पाउडर को थोड़े से सादे पानी के साथ मिलाएं। अब कॉफी के मिश्रण को उबले हुए पानी में मिलाएं, फिर इसे ठंडा करके सिर पर लगाएं और 20-30 मिनट के बाद सिर को पानी से धो लें।

सीखने की ललक

यूनानी दार्शनिक प्लेटो के घर विद्वानों का आना-जाना लगा रहता था। जिज्ञासु लोग कुछ न कुछ नया विचार ग्रहण करने के लिए उनके पास आया करते थे। फिर भी प्लेटो स्वयं को कभी विद्वान नहीं मानते थे।

वह सदैव नया सोचते रहते थे और कभी-कभी तो छोटे बच्चों व नवयुवकों से कुछ सीखने के लिए उनसे घुल-मिल जाते थे। एक दिन उनके मित्र ने उनसे पूछा, 'आपके पास बहुत शिक्षित व विद्वान लोग अपने प्रश्न लेकर आते हैं, जिनका आप तार्किक उत्तर देकर समाधान भी बता देते हैं। किन्तु आपकी एक बात मेरी समझ में नहीं आती। आप स्वयं इतने बड़े दार्शनिक हैं, विश्व के प्रतिष्ठित तर्कशास्त्रियों में आपकी गणना होती है। फिर भी आप दूसरों से शिक्षा ग्रहण करने तथा कुछ नया सीखने के लिए सदैव उत्सुक रहते हैं। उससे भी बड़ी बात यह है कि आप बड़े या छोटे किसी से भी सीखने में कोई संकोच नहीं करते।

जब आप स्वयं दूसरों का मार्गदर्शन करते हैं फिर आपको सीखने की भला क्या आवश्यकता' प्लेटो हंसे, उन्होंने कहा-'मित्र प्रत्येक व्यक्ति के पास कुछ न कुछ उत्तम वस्तु या गुण होता है जो अन्य के पास नहीं होता। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति में दूसरे से सीखने की जिज्ञासा होनी चाहिए। जब व्यक्ति दूसरों से सीखने में संकोच व झिझक करेगा तो वह अच्छे ज्ञान से वंचित ही रहेगा।

प्लेटो की बात सुन उनका मित्र धन्य हो गया।'

शब्द सामर्थ्य -076

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. कतार, क्रम, पांत 2. लज्जत, जायका 4. कारण, वजह 7. सुंदर प्रतीत होना, सुखद होना 8. घोड़े आदि का मल 9. अक्सर, ज्यादातर 10. चक्की में पीसना, मसलना, कुचलना 12. धनुष, फौजी टुकड़ी 13. आभूषण, जेवर 15. लहरों का चक्कर, जलावर्त, भ्रमर 17. बायां, विरुद्ध 18. गाना, नगमा 19. लाचार, विवश 22. नमन, प्रणाम 25. चौकी, थाना 26. इकरार, समझौता, ठेका 27. अधिकार होना, सामर्थ्य होना (मुहा.)।

ऊपर से नीचे

1. एक प्रदेश जिसकी राजधानी चंडीगढ़ है 2. हविर्दान के समय उच्चारित एक शब्द, भष्म 3. दन-दन करते हुए 5. बलशाली, बलवाला 6. परिवर्तित करना, पहले से भिन्न हो जाना 7. चांद, चंद्रमा, रजनीश 11. अप्रिय, अरुचिकर 14. मैं का बहुवचन 15. भंगेड़ी, भंग करने वाला, झाड़ू लगाने तथा मैला साफ करने वाली 16. मातृभूमि, स्वदेश 19. मक्खन, माखन 20. बुढ़ापा, धन, ज्वर 21. टालना, हटाना, बहाना करके हटाना 23. सीमा, हद 24. सौ का पाचंवा हिस्सा 25. घोड़े के पैरों में लगाने का लोहे का टुकड़ा, पौधे आदि का डंठल।

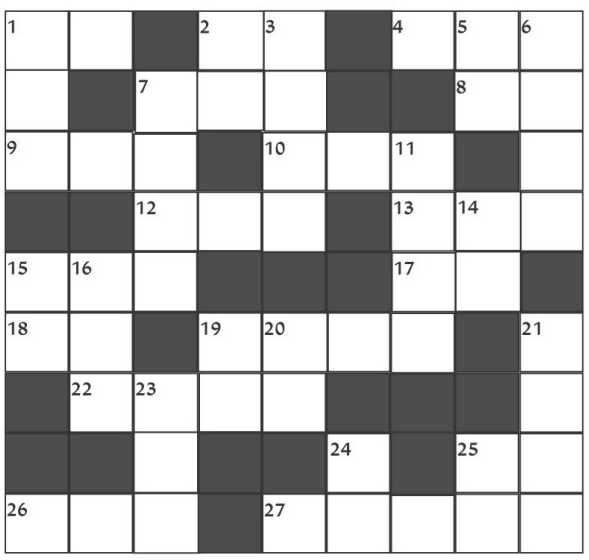

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 75 का हल

वि	ज	य	■	ब	नि	या	■	दे
वा	■	ती	त	र	■	रा	जी	व
ह	मा	म	■	स	प	ना	■	ता
■	न	■	■	■	टा	■	■	■
दा	व	त	■	वि	ना	श	■	अ
य	■	ह	त्या	■	■	ह	र्जा	ना
रा	ह	त	■	न	ज	र	■	व
■	वा	■	■	■	मी	■	ना	श्य
दु	ला	रा	■	जा	न	की	■	क

ईशान खट्टर की पिप्पा सीधे ओटीटी पर नहीं होगी रिलीज

ईशान खट्टर की आगामी फिल्म पिप्पा के निर्माताओं ने स्पष्ट कर दिया है कि यह फिल्म ओटीटी पर रिलीज नहीं होगी। गुरुवार को, ऐसी खबरें थीं कि फिल्म 1971 के युद्ध पर आधारित है, डिजिटल रूप से रिलीज होगी क्योंकि फिल्म के निर्माताओं और मल्टीप्लेक्स मालिकों के साथ कुछ मतभेद चल रहा था। हालांकि पीवीआर आईनॉक्स के कमल ज्ञानचंदानी, जो मल्टीप्लेक्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एमएआई) का भी प्रतिनिधित्व करते हैं, के साथ प्रोड्यूसर रॉनी स्क्रूवाला, सिद्धार्थ रॉय कपूर और सिद्धार्थ रॉय कपूर ने एक संयुक्त बयान जारी किया। मेकर्स ने सभी अफवाहों का खंडन किया है। बयान में आगे कहा गया कि, रोनी स्क्रूवाला, सिद्धार्थ रॉय कपूर और कमल ज्ञानचंदानी की ओर से आधिकारिक बयान। यह एक लेख के संबंध में है जो कल एक अखबार के प्रकाशन में ओटीटी रिलीज के लिए पिप्ड शीर्षक के साथ छपा था, जिसने इसके बारे में कुछ पूरी तरह से निराधार दावे किए थे। इस लेख के प्रकाशन से पहले न तो निर्माताओं और न ही किसी मल्टीप्लेक्स ऑपरेटर से टिप्पणी के लिए संपर्क किया गया था। पीवीआरआईनॉक्स के रॉनी स्क्रूवाला, सिद्धार्थ रॉय कपूर और कमल ज्ञानचंदानी, जो इसके अध्यक्ष के रूप में मल्टीप्लेक्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एमएआई) का भी प्रतिनिधित्व करते हैं आरएसवीपी और रॉय कपूर फिल्म्स को मल्टीप्लेक्स ऑपरेटरों के साथ कोई समस्या नहीं है।

अनन्या पांडे ओटीटी सीरीज कॉल मी बे में निभाएंगी मुख्य भूमिका

बॉलीवुड अभिनेत्री अनन्या पांडे आगामी स्ट्रीमिंग सीरीज कॉल मी बे में मुख्य भूमिका निभाने जा रही हैं। अभिनेता वरुण धवन ने एक मजेदार वीडियो साझा किया है, जिसमें उन्होंने गुरुवार को आगामी श्रृंखला में अनन्या पांडे को बे के रूप में पेश किया। वीडियो में, अनन्या वरुण को फैशन की बारीकियों पर कुछ कहते हुए दिखाई देती हैं। सीरीज की शूटिंग शुरू हो चुकी है। कॉल मी बे एक अरबपति फैशनिस्टा बे (अनन्या पांडे द्वारा अभिनीत) की कहानी है, जिसे उसके अमीर परिवार ने सेक्स स्कैंडल के कारण त्याग दिया है। फिर वो अकेली पड़ जाती है और कई पूर्वाग्रहों के इर्द-गिर्द अपनी यात्रा में खुद को खोजती है। शो के प्रोड्यूसर करण जौहर, अपूर्व मेहता और सोमेन मिश्रा हैं और निर्देशन कॉलिन डी कुन्हा ने किया है। इशिता मोइत्रा द्वारा रचित सीरीज जल्द ही प्राइम वीडियो पर उपलब्ध होगी।

ब्लैक थाई स्लिट गाउन में हिना खान ने लगाया बोल्डनेस का तड़का

टीवी एक्ट्रेस हिना खान आए दिन अपने बोल्ड लुक्स से फैंस को इंप्रैस करती रहती हैं। वो जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं तो वो फैंस के बीच तेजी से वायरल होने लगती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट ब्लैक कट आउट गाउन में फोटोज शेयर की हैं जिसमें उनकी हॉटनेस थमने का नाम नहीं ले रही हैं। हिना खान सोशल मीडिया सेंसेशन हैं और आए दिन अपनी फोटोज और वीडियोज इंस्टाग्राम पर अपलोड करती रहती हैं। हाल ही में आइकोनिक गोल्ड अवार्ड्स 2023 के इवेंट में हिना खान का लुक देख कर फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। एक्ट्रेस हिना खान की एक झलक पाने के लिए फैंस अक्सर बेताब रहते हैं। हालांकि वो भी फैंस को निराश नहीं करती हैं। लेटेस्ट तस्वीरों में एक्ट्रेस हिना खान ने ब्लैक कलर की रिवीलिंग ड्रेस पहन कर हुस्न के जलवे बिखेरे हैं। बता दें कि हिना खान ने अपने लुक को और भी ज्यादा एलिगेंस बनाने के लिए हैंगिंग डायमंड ईयररिंग्स कैरी किए हैं और एक हाथ में मैचिंग का डायमंड ब्रेसलेट पहना है। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस ने ब्राउनिश मेकअप किया है और साथ ही न्यूड लिप्सटिक लगाकर अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। अपने इस लुक में अभिनेत्री हिना खान काफी अट्रैक्टिव दिख रही हैं। हालांकि एक्ट्रेस की इन तस्वीरों पर लोग लाख से भी ज्यादा लाइक्स कर चुके हैं। यूजर्स ने एक्ट्रेस की तस्वीरों पर कॉमेंट करते हुए लिखा है- हॉटनेस ओवरलोडेड, टू हॉट टू हेंडल, सिजलिंग एंड हॉट।

जान्हवी कपूर की पहली तेलुगू फिल्म है एनटीआर 30

फिल्मकार एस.एस. राजमौली सुपरस्टार एनटीआर जूनियर की आगामी अभी तक बिना शीर्षक वाली तेलुगू फिल्म एनटीआर 30 के लिए पहला क्लैप देते नजर आए। यह जान्हवी कपूर की पहली तेलुगू फिल्म है। लॉन्च की तस्वीरों और वीडियो ने सोशल मीडिया पर तूफान ला दिया है। एक तस्वीर में एनटीआर जूनियर और जाह्नवी हाथ मिलाते नजर आ रहे हैं। एक क्लिप में तेलुगू स्टार दिवंगत स्टार श्रीदेवी की बेटी का स्वागत करते हुए देखे जा सकते हैं, जो लाइम ग्रीन साड़ी और मैचिंग ब्लाउज में बहुत खूबसूरत लग रही थी। एक अन्य वीडियो में, एनटीआर जूनियर और जान्हवी मंच पर राजमौली के साथ खड़े हैं। उन्होंने पहला क्लैप शॉट दिया और शूट की शुरूआत की घोषणा की। जनता गैराज के बाद एनटीआर एनटीआर 30 के लिए कोराताला शिवा के साथ फिर से जुड़ रहे हैं। फिल्म के बारे में अन्य विवरण अभी गुप्त हैं।

रसिका दुगल दिल्ली क्राइम सीजन 3 में नीति सिंह की भूमिका निभाने को तैयार

जानी-मानी अभिनेत्री रसिका दुगल समीक्षकों द्वारा सराही गई सीरीज दिल्ली क्राइम के तीसरे सीजन में नीति सिंह की भूमिका निभाने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। इस खबर की पुष्टि खुद अभिनेत्री ने शो के पहले सीजन की चौथी वर्षगांठ के समय हाल ही में एक इंस्टाग्राम पोस्ट में की।

रसिका द्वारा नीति सिंह का चित्रण आश्वस्त करने वाला और भावनात्मक दोनों था और उन्होंने शो के पहले से ही जटिल आख्यान में गहराई की एक अतिरिक्त परत लाई।

सीरीज में अपनी वापसी के बारे में बात करते हुए रसिका दुगल ने कहा, एक ऐसे शो का हिस्सा बनना सम्मान की बात है, जो समाज की वास्तविकताओं पर प्रकाश डालता है। नीति सिंह मेरे दिल के बहुत करीब हैं और मैं इसके लिए आभारी हूं।

उन्होंने कहा, मैं उसके बारे में और अधिक जानने और एक टीम के साथ सहयोग करने के लिए उत्सुक हूं जो आवश्यक कौशल और संवेदनशीलता के साथ महत्वपूर्ण कहानियां बताने के लिए समर्पित है।

दिल्ली क्राइम के अलावा, रसिका के पास स्पाइक, ब्लैक कॉमेडी थ्रिलर लॉर्ड कर्जन की हवेली और हॉरर अधूरा है। वह कॉमेडी फेयरी फोक, ड्रैमेडी लिटिल थॉमस और बहुप्रतीक्षित एक्शन क्राइम थ्रिलर मिजार्पुर 3 में भी नजर आएंगी।

बंद नहीं हुई प्रियंका, आलिया और कैटरीना की जी ले जरा

फरहान अख्तर की फिल्म जी ले जरा की काफी समय से चर्चा हो रही है। फिल्म की घोषणा 2021 में हुई थी। लंबे समय तक इसकी शूटिंग शुरू नहीं हुई, जिससे कयास लगने लगे कि फिल्म बंद हो गई है। हालांकि, फिल्म की अभिनेत्रियां प्रियंका चोपड़ा, कैटरीना कैफ और आलिया भट्ट में से किसी ने इसके बंद होने पर कोई बयान नहीं दिया था। अब फरहान अख्तर ने पुष्टि कर दी है कि जल्द ही फिल्म की शूटिंग शुरू होगी।

फरहान अख्तर ने इंस्टाग्राम पर राजस्थान के रेगिस्तान से एक तस्वीर शेयर की है। इसके साथ कैप्शन में उन्होंने लिखा, सोने की खोज में। कैप्शन में ही उन्होंने जी ले जरा का जिक्र करते हुए लिखा कि वह लोकेशन ढूंढ रहे हैं। फरहान की तस्वीर पर आलिया भट्ट ने कमेंट किया कि वह इसके लिए बेसब्र हैं। गायक शंकर महादेवन ने भी अपनी प्रतिक्रिया देते हुए लिखा कि वह इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

इस फिल्म में आलिया भट्ट, कैटरीना कैफ और प्रियंका चोपड़ा मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म दिल चाहता है और जिंदगी न मिलेगी दोबारा के तर्ज पर तीन महिलाओं की दोस्ती की कहानी पेश करेगी। यह भी एक रोड ट्रिप पर आधारित फिल्म होगी। फिल्म का निर्देशन खुद फरहान करेंगे। फिल्म की घोषणा के बाद कैटरीना और आलिया की शादी होने की वजह से भी लोग कयास लगा रहे थे कि फिल्म अब ठंडे बस्ते में चली गई है।

पिछले साल नवंबर में अपनी भारत यात्रा के दौरान प्रियंका चोपड़ा ने भी फिल्म पर बयान दिया था। उनके बयान से भी फिल्म के जल्द शुरू होने की उम्मीद जगी थी। दरअसल, इस फिल्म का आइडिया प्रियंका का ही था। वह एक ऐसी फिल्म बनाना चाहती थीं, जिसमें महिलाओं की दोस्ती और उनकी स्वतंत्रता दिखे और वह बॉक्स ऑफिस पर सफल होने की ताकत भी रखती हो। फिल्म पर उन्होंने फरहान से पहले आलिया और कैटरीना से बातचीत की थी।

प्रियंका के अनुसार, इस पीढ़ी की अभिनेत्रियों ने महिला कलाकारों के पोस्टर का चेहरा बनने के दरवाजे खोले हैं। उन्होंने इशारा किया था कि जल्द फिल्म शुरू हो सकती है। उन्होंने कहा था , मैं अपनी दोस्तों के साथ ऐसी फिल्म बनाना चाहती थी, जो बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन करे और पूरी तरह हमारी हो। सितारों ने हमारा साथ दिया और हमने यह करने का फैसला लिया। उम्मीद है हम अगले साल इसकी शूटिंग शुरू कर देंगे।

एक हत्या के इर्द-गिर्द घूमती है फिल्म गुमराह की कहानी

पिछले काफी समय से आदित्य रॉय कपूर फिल्म गुमराह को लेकर चर्चा में हैं। इसमें पहली बार उनकी जोड़ी मृणाल ठाकुर के साथ बनी है। फिल्म इसलिए भी खास है क्योंकि इसमें आदित्य पहली बार डबल रोल में नजर आएंगे। फिल्म के पोस्टर और टीजर दर्शकों को पसंद आए थे। पिछने दिनों फिल्म का ट्रेलर भी रिलीज हो गया है।

गुमराह की कहानी एक हत्या के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसमें दो संदिग्ध शामिल हैं, आदित्य रॉय कपूर और आदित्य रॉय कपूर। दरअसल, फिल्म में उनकी दोहरी भूमिका है। पहले उनका रोमांटिक अवतार देखने को मिलता है और कुछ ही देर बाद उनका एक नया रूप पर्दे पर आता है , जो हत्या के केस में उलझा हुआ है और पुलिस को गुमराह करता दिख रहा है। रोनित रॉय और मृणाल ठाकुर पुलिस बन अपराधी को खोज रहे हैं।

आदित्य ने इंस्टाग्राम पर ट्रेलर साझा कर लिखा, हर कहानी के दो पहलू होते हैं, सच और झूठ, लेकिन इस कहानी के पहलू हैं- गुनाह और गुमराह। ट्रेलर जारी। आदित्य के इस पोस्ट पर एक यूजर ने लिखा, भाई फिल्म का पता नहीं, लेकिन तुमने आग लगा दी। दूसरे ने लिखा, फायर है भाई। गजब का लुक। एक अन्य यूजर ने लिखा, आदित्य ने दोनों किरदार बखूबी निभाए। वह एक अच्छे एक्टर हैं, लेकिन उन्हें कभी वो श्रेय नहीं मिला।

ट्रेलर में जो घुमावदार, रहस्यमयी कहानी और रोमांच देखने को मिल रहा है, उससे लगता है कि यह फिल्म सस्पेंस के शौकीनों को खूब लुभाएगी। आदित्य के साथ मृणाल के डायलॉग और पंच भी इस मर्डर मिस्ट्री को लेकर काफी उत्सकुता जगा रहे हैं।

इस फिल्म का टीजर होली पर रिलीज हुआ था। ट्रेलर की तरह ही टीजर में भी आदित्य का अंदाज और किरदार होश उड़ा रहा था। वह जमकर मार-पिटाई करते दिख रहे थे। उनका एक्शन देखने लायक था। आदित्य आखिरी बार फिल्म राष्ट्र कवच ओम में नजर आए थे, जो बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई। इससे पहले भी वह अपनी फिल्मों में कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाए। ऐसे में आदित्य के फिल्मी करियर के लिए गुमराह काफी अहम है।

क्राइम थ्रिलर फिल्म गुमराह टी-सीरीज के बैनर तेल बन रही है। यह तेलुगु फिल्म थाडम का हिंदी रीमेक है। इस फिल्म का निर्देशन मागीज थिरुमेनी ने किया था और इसमें अरुण विजय, तान्या होप, स्मृति वेंकट और विद्या प्रदीप जैसे कलाकार नजर आए थे। वैसे हाल-फिलहाल में रिलीज हुए साउथ की फिल्मों के हिंदी रीमेक बॉक्स ऑफिस पर फेल हो गए। इसका सबसे ताजा उदाहरण अक्षय कुमार की फिल्म सेल्फी है। अब देखना होगा कि गुमराह क्या कमाल दिखाती है।

भारतीय बैंक बेअसर : अमेरिकी वित्तीय क्षेत्र में हलचल

प्रह्लाद सबनानी

अमेरिकी वित्तीय क्षेत्र में बैंकों पर भारी संकट आ गया है। अभी तक दो बैंक (सिलिकॉन वैली बैंक एवं सिग्नेचर बैंक) बंद हो चुके हैं, और 6 अन्य छोटे आकार के बैंकों (फर्स्ट रिपब्लिक बैंक, वेस्टर्न अलायंस बैंक, पैकवेस्ट, यूएमबी फायनेंशियल सहित) पर गंभीर संकट है।

इन बैंकों में रोकड़ एवं तरलता की समस्या पैदा हो गई है। इनके पास जमाकर्ताओं को भुगतान करने के लिए पर्याप्त राशि नहीं है। इन बैंकों के शेयरों की कीमत 14-30 प्रतिशत के बीच गिर चुकी है।

एक आकलन के अनुसार अमेरिका के 160 बड़े बैंकों (जिनके पास 500 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक राशि की आश्वस्तियां हैं) को 20,600 करोड़ अमेरिकी डॉलर का नुकसान हुआ है। अमेरिका की रेटिंग संस्थाओं स्टैंर्डड एंड पूअर्स एवं फिच ने कुछ बैंकों की रेटिंग घटाकर जंक श्रेणी में डाल दी है क्योंकि ये बैंक जमाकर्ताओं की राशि वापस करने की स्थिति में नहीं हैं। अमेरिका के सबसे बड़े बैंकों को भी आर्थिक समस्या का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि इनके अमेरिकी बॉन्ड्स में निवेश की बाजार कीमत कम हो गई है। सिटी बैंक समूह को 4,700 करोड़ अमेरिकी डॉलर, बैंक ऑफ अमेरिका को 2,120 करोड़ अमेरिकी डॉलर, जेपी मोर्गन चेज को 1,730 करोड़ अमेरिकी डॉलर, टरूइस्ट फायनेंसिशल को 1,360 करोड़ अमेरिकी डॉलर, वेल्ज फार्गो को 1,340 करोड़ अमेरिकी डॉलर एवं यूएस बैंक कॉर्प को 1,140 करोड़ अमेरिकी डॉलर का नुकसान हुआ है। ये सभी बड़े बैंक हैं। इसलिए नुकसान को सहन कर जाएंगे परंतु छोटे बैंक तो विफल ही हो जाने वाले हैं।

दरअसल, अमेरिकी बैंकों में समस्या वहां के केंद्रीय बैंक यूएस फेड रिजर्व द्वारा लगातार यूएस फेड रेट में की जा रही वृद्धि के चलते पैदा हुई है। अमेरिका में सभी बैंकों ने अमेरिकी बॉन्ड्स में भारी निवेश किया हुआ है। पहले चूंकि अमेरिका में ब्याज दरें कम थीं, इसलिए इन बॉन्ड्स पर कूपन रेट (ब्याज दर) भी कम था और समय के साथ जैसे-जैसे अमेरिका में ब्याज दरों का बढ़ना शुरू हुआ, नये बॉन्ड्स बढ़ी हुई ब्याज दरों पर जारी किए जाने लगे। इसके कारण पुराने बॉन्ड्स की बाजार कीमत कम होती चली गई क्योंकि इन बॉन्ड्स पर कम ब्याज दर लागू थीं। इन बॉन्ड्स की बाजार कीमत इतनी कम होती गई कि वह इन बॉन्ड्स में निवेशित राशि से भी कम रह गई। अत: इन बैंकों को इन पुराने बॉन्ड्स पर भारी नुकसान हुआ है। इन बॉन्ड्स को आज में बाजार में बेचने पर इन बैंकों को अपने निवेश की राशि भी नहीं मिल पा रही है। इस प्रकार ये बैंक जमाकर्ताओं को राशि का भुगतान करने में असफल हो रहे हैं। अमेरिका के साथ ही अन्य कई विकसित देशों ने भी मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करने के उद्देश्य से लगातार ब्याज दरों में वृद्धि की है। अत: यूरोपीयन देशों में भी बैंकों में इसी प्रकार की समस्या आ सकती है। क्रेडिट स्विस निवेश बैंक में तो यह समस्या दृष्टिगोचर भी है। इस बैंक के शेयर की कीमत पूंजी बाजार में 98 प्रतिशत तक गिर गई है।

दरअसल, विकसित देशों के केंद्रीय बैंकों द्वारा मुद्रास्फीति जो कोविड महामारी एवं रूस यूक्रेन युद्ध के चलते उत्पादों की आपूर्ति में आई कमी के कारण उत्पन्न हुई थी, को उत्पादों की मांग में कमी करने के उद्देश्य से, ब्याज दरों में वृद्धि कर नियंत्रित करने का प्रयास किया जा रहा था। यह अपने आप में सही निर्णय नहीं कहा जा सकता क्योंकि उत्पादों की आपूर्ति बढ़ाने के स्थान पर उत्पादों की मांग कम करने के प्रयास किए जा रहे थे, जो नकारात्मक निर्णय कहा जा सकता है। इसके चलते कई संस्थानों को तो कर्मचारियों की छंटनी भी करनी पड़ी है, और विकसित देशों के केंद्रीय बैंकों के इस निर्णय ने इनके बैंकों के लिए भी गंभीर वित्तीय संकट खड़ा कर दिया है। प्रश्न है कि अमेरिका सहित अन्य विकसित देशों के बैंकों के सामने आए इस वित्तीय संकट का प्रभाव क्या भारतीय बैंकों पर भी पड़ेगा। इसके उत्तर में स्पष्ट रूप से कहा जा सकता है कि भारत में चूंकि केंद्र सरकार एवं भारतीय रिजर्व बैंक ने पूर्व में ही कई निर्णय लिए हैं, जिसके चलते भारतीय बैंकों की वित्तीय स्थिति इस संदर्भ में बहुत सुदृढ़ हो गई है।

पिछले 8 वर्षों के दौरान केंद्र सरकार ने बैंकों की लगभग हर तरह की समस्याओं के समाधान के लिए ईमानदार प्रयास किए हैं। गैर-निष्पादक आश्वस्तियों से निपटने के लिए दिवाला एवं दिवालियापन संहिता लागू की गई है। देश में सही ब्याज दरों को लागू करने के उद्देश्य से मौद्रिक नीति समिति बनाई गई है। केंद्र सरकार ने इंद्रधनुष योजना लागू करते हुए सरकारी क्षेत्र के बैंकों को 3.10 लाख करोड़ रुपये से अधिक की पूंजी उपलब्ध कराई है। 30 अगस्त, 2019 को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन ने बैंकिंग क्षेत्र को और अधिक मजबूत बनाए जाने के उद्देश्य से सरकारी क्षेत्र के बैंकों के आपस में विलय की घोषणा की थी। सरकारी क्षेत्र के बैंकों की समेकन के माध्यम से क्षमता अनवरोधित (अनलॉक) करने के उद्देश्य से ही सरकारी क्षेत्र के बैंकों के आपस में विलय की घोषणा की गई थी। बैंकों के विलय में विशेष ध्यान रखा गया कि विलय से किसी ग्राहक को परेशानी न हो, ये तकनीक के लिहाज से एक ही प्लेट्फार्म पर हों, इनकी कार्य संस्कृति एक ही हो तथा इनके व्यवसाय में वृद्धि दृष्टिगोचर हो। 2017 में भारत में सरकारी क्षेत्र के 27 बैंक थे लेकिन विलय के बाद ये 12 बैंक रह जाएंगे।

भारत में वर्गीकृत वाणिज्यिक बैंकों में पूंजी पर्याप्तता अनुपात 31 मार्च, 2022 को समाप्त अवधि में 16.7 प्रतिशत के सराहनीय स्तर पर पहुंच गया है जबकि अंतरराष्ट्रीय मानदंडों के अनुसार, बैंकों में पूंजी पर्याप्तता अनुपात न्यूनतम 8 प्रतिशत (एवं 2.5 प्रतिशत के पूंजी कंजर्वेटिव बफर को मिलाकर 10.5 प्रतिशत) होना बैंकों के लिए आवश्यक माना जाता है। भारतीय बैंकों की उक्त वर्णित स्थिति के चलते रिजर्व बैंक की आज पूरी दुनिया में प्रशंसा हो रही है कि उसने भारतीय बैंकों को इतनी मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया है। हाल में भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर डॉ. शक्तिकांत दास को 'गवर्नर ऑफ द ईयर' अवार्ड अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 2023 के लिए सेंट्रल बैंकिंग, एक अंतरराष्ट्रीय आर्थिक अनुसंधान जर्नल, की ओर से प्रदान किए जाने की घोषणा की गई है।

सू- दोकू क्र.076

	2			6			1	
3			4			2		
							6	
6					4			
	9		5			6		1
4		3			9			2
	8		2				7	
1		2		4		9		6

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र. 75 का हल

8	7	6	9	5	1	2	3	4
1	3	9	2	8	4	5	6	7
4	5	2	3	7	6	9	1	8
2	8	5	4	6	7	1	9	3
3	1	7	8	9	2	4	5	6
6	9	4	1	3	5	7	8	2
9	4	1	6	2	8	3	7	5
7	2	8	5	1	3	6	4	9
5	6	3	7	4	9	8	2	1

चुनाव सुधारों से चिंतित विपक्ष

विपक्षी पार्टियां भाजपा और नरेंद्र मोदी के चुनाव अभियान से ज्यादा चुनाव आयोग की ओर से किए जा रहे सुधारों से चिंतित हैं। इलेक्ट्रोनिक वोटिंग मशीन यानी ईवीएम तो सिर्फ एक चीज है, पर विपक्षी पार्टियों की चिंता जाहिर हो रही है। लेकिन असल में कांग्रेस और अन्य विपक्षी पार्टियां आयोग की ओर से प्रस्तावित कई और सुधारों को लेकर चिंतित हैं। उनको लग रहा है कि इन सुधारों से वोटिंग प्रतिशत बढ़ेगा, जिसका फायदा भाजपा को होगा और उनको घाटा हो सकता है। तभी एनसीपी सुप्रीमो शरद पवार ने विपक्षी पार्टियों की बैठक बुलाई और इसके कई पहलुओं पर चर्चा की।

इससे पहले कांग्रेस ने ईवीएम को लेकर विपक्षी पार्टियों की बैठक बुलाई थी और साथ ही कई तकनीकी जानकारों को भी बुलाया गया था, जिन्होंने ईवीएम की कमियां बताईं और बाद में कांग्रेस नेताओं का एक प्रतिनिधिमंडल चुनाव आयोग से मिलने गया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह इस पूरी प्रक्रिया में शामिल थे। तब कांग्रेस का मुख्य विरोध रिमोट ईवीएम को लेकर था, जिसका प्रस्ताव चुनाव आयोग ने दिया है। शरद पवार की चिंता भी रिमोट ईवीएम को लेकर है। इसके जरिए किसी राज्य का मतदाता दूसरे राज्य से भी वोट डाल सकेगा। विपक्षी पार्टियों ने इसकी कई व्यावहारिक समस्याएं चुनाव आयोग को बताई हैं। लेकिन पुरानी कहावत है कि जिस विचार का समय आ जाता है उसे कोई रोक नहीं सकता है।

सो, देर सबेर रिमोट ईवीएम का प्रयोग होने जा रहा है। इसके अलावा चुनाव आयोग ने कुछ और प्रस्ताव किए हैं, जिनको लेकर विपक्षी पार्टियां चिंतित हैं। इसमें सबसे ताजा प्रस्ताव प्रवासी भारतीयों को इलेक्ट्रोनिक बैलेट भेजने का है। चुनाव आयोग चाहता है कि दुनिया के दूसरे देशों में रह रहे प्रवासी भारतीयों को भी मतदान करने का मौका मिले और इसके लिए उन्हें भारत आने की जरूरत न हो। इस योजना के तहत आयोग ने उनको इलेक्ट्रोनिक बैलेट भेजने का प्रस्ताव किया है। चाहे कांग्रेस हो या एनसीपी या दूसरी विपक्षी पार्टी उनको लग रहा है कि प्रवासी भारतीयों का वोट भाजपा को जाएगा। कई नेता इसमें गड़बड़ी की संभावना भी मान रहे हैं। इसलिए यह भी एक चिंता का मामला है।इसके अलावा चुनाव आयोग ने बुजुर्गों और दिव्यांगों के लिए घर बैठे वोटिंग की व्यवस्था का प्रस्ताव दिया है। इसके मुताबिक 80 साल से ज्यादा उम्र के मतदाताओं और दिव्यांगों को वोट डालने के लिए बूथ पर जाने की जरूरत नहीं है। उनको घर पर बैलेट देकर वोटिंग कराई जाएगी और उनकी वोटिंग की वीडियो रिकॉर्डिंग होगी। विपक्ष को लग रहा है कि यह व्यवस्था भी भाजपा को फायदा पहुंचाएगी। कह सकते हैं कि चुनाव आयोग जितने नए प्रस्ताव ला रहा है या सुधार की बात कर रहा है उनसे विपक्ष को आपत्ति है। (आरएनएस)

नंदमूरि बालाकृष्ण की अगली फिल्म एनबीके 108 के लिए काजल अग्रवाल हुई सक्रिय

हिन्दी और दक्षिण भारतीय फिल्मों की सफलतम अभिनेत्रियों में शुमार रही काजल अग्रवाल एक बार फिर से फिल्म दुनिया में कदम रखने जा रही हैं। शादी और माँ बनने के बाद अब वे पूरी तरह से फिल्मों में लौट रही हैं। उनकी वापसी दक्षिण के कामयाब अभिनेता नंदमूरि बालाकृष्ण के साथ होने जा रही है। इस वर्ष की पहली तिमाही में बॉक्स ऑफिस पर कामयाब फिल्म वीरा सिम्हा रेड्डी देने वाले नंदमूरि बालाकृष्ण अपनी अगली फिल्म की तैयारियों में लग गए हैं।

नंदमूरि बालाकृष्ण ने वीरा सिम्हा रेड्डी के साथ एक बड़ी हिट फिल्म उद्योग को दी। अब उनकी अगली फिल्म की चर्चाएँ हो रही हैं जिसके निर्देशन की जिम्मेदारी अनिल रविपुदी को सौंपी गई है। अभी तक इस फिल्म का कोई नाम तय नहीं किया गया है, इसके चलते इसे एनबीके 108 के नाम से जाना जाएगा। जब हर कोई सोच रहा था कि इस परियोजना में मुख्य भूमिका कौन निभाएगा, तो काजल अग्रवाल के नाम की घोषणा की गई। इससे पहले, रिपोर्ट्स में कहा गया था कि उन्हें एनबीके 108 के लिए संपर्क किया गया था।

नंदमूरि बालाकृष्ण वर्तमान में एनबीके 108 की शूटिंग कर रहे हैं। इसकी घोषणा अगस्त 2022 में की गई थी। महिला नेतृत्व पर विचार-विमर्श के बीच, अब यह पुष्टि हो गई है कि काजल अग्रवाल एनबीके 108 में प्रमुख महिला की भूमिका निभाएंगी। परियोजना और काजल की भूमिका के बारे में अधिक जानकारी का इंतजार है। निर्देशक ने एक वीडियो के साथ इसकी घोषणा की। उन्होंने यह भी पुष्टि की कि इसका संगीत एस थमन द्वारा रचित होगा।

अनिल रविपुडी एक स्टार फिल्म निर्माता के रूप में उभरे जब उन्होंने सरिलेरु नीकेवरु (2020) में महेश बाबू को निर्देशित किया, जिसने अल्लू अर्जुन की अला वैकुंठप्रेमुलु से प्रतिस्पर्धा का सामना करने के बावजूद बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने एफ-3 के साथ एक और ब्लॉकबस्टर फिल्म दी, जो उनकी आश्चर्यजनक हिट एफ-2 की अगली कड़ी थी। उनके कहानी कहने के ब्रांड को देखते हुए, एनबीके 108 से एक व्यावसायिक मनोरंजन की उम्मीद की जा सकती है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को नई दिल्ली में लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला से शिष्टाचार भेंट की।

महिला खिलाडियों का उत्पीडन करने वाला हो शीघ्र गिरफ्तारः बिष्ट

संवाददाता

देहरादून। युवा उक्रांद के केन्द्रीय अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह बिष्ट ने कहा कि महिला खिलाडियों का उत्पीडन करने वाले कोच की शीघ्र गिरफ्तारी होनी चाहिए तथा साथ ही उसकी सम्पत्ति की भी जांच होनी चाहिए।

आज यहां प्रेस क्लब में पत्रकारों से वार्ता करते हुए बिष्ट ने कहा कि पहाड़ से महिला खिलाड़ी देहरादून आती हैं, ताकि उन्हे सुविधाए मिल सके, उनकी खेल प्रतिभा निखर सके, लेकिन यहाँ पर क्रिकेट अकादमी के संचालक द्वारा महिला खिलाडियों के साथ मानसिक और शरीरिक उत्पीड़न किया जा रहा है, ऐसे में कैसे कोई अभिभावक अपने बच्चों के भविष्य को क्रिकेट के क्षेत्र में बना सकता है। बिष्ट ने कहा कि पिछले दिनों लिटिल मास्टर अकादमी के मालिक तथा क्रिकेट एसोशिएशन ऑफ उत्तराखंड में सीनियर कोच तथा चमोली क्रिकेट संघ के सचिव नरेंद्र शाह का नाबालिक महिला खिलाडियों के साथ ऑडियो वाइरल हुआ, जिसमे वह महिला खिलाडियों के साथ आपतिजनक बाते कर रहा है, साथ ही परिवार के सदस्यों को बताने पर धमकी दे रहा है, साथ में छोटी बच्चियों को गाली भी दे रहा है, इसके साथ ही अन्य दो अभिभावको ने भी कोच नरेंद्र शाह पर आरोप लगाए कि उनके बच्चों के साथ भी वह मानसिक एवं शरीरिक उत्पीड़न करता था, इस प्रकार की घटना इंगित करती है कि जिस गुरु को बच्चों के भविष्य को संवारने की जिम्मेदारी हो, वह किस प्रकार से गुरु और शिष्य के रिश्ते को शर्मसार कर रहा है। साथ ही महिला खिलाडियों ने आरोप लगाए कि कोच नरेंद्र शाह उन्हे सचिव महिम वर्मा और एक अन्य सदस्य के साथ जाने के लिए दबाव डालता था ताकि वह क्रिकेट में महिला खिलाडियों का भविष्य सँवार सके। महिम वर्मा वही आरोपी है जिस पर पूर्व में भी उत्तराखंड क्रिकेट टीम के खिलाड़ी आर्य सेठी के साथ मार पीट तथा रंगदारी का मुकदमा चल रहा है, इसके साथ ही उन पर कई और आरोप भी है। डॉक्टर द्वारा नरेंद्र शाह को स्वस्थ बताए जाने के बाद भी अभी तक बयान नहीं लिए गए, यह दिखाता है कि उच्च पदों पर बैठे लोगो को बचाने के लिए यह सब किया जा रहा है।

फोन कर अश्लील बातें करने पर अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज

देहरादून (सं)। फोन कर अस्पताल की महिला कर्मचारियों के साथ अश्लील बाते करने पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार एस्लेहाल स्थित एक हास्पिटल के डाक्टर ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कर बताया कि उनके हास्पिटल के लैंडलाईन नम्बर पर पिछले 15 दिनों से कोई व्यक्ति फोन कर उनकी नर्सिग स्टाफ से अश्लील बातें कर रहा है तथा मना करने पर भी नहीं मान रहा है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

परिवहन मंत्री ने चारधाम यात्रा के लिए ग्रीन..

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

कहा कि मृतकों के परिजनों को मुआवजा दिए जाने के आदेश दिए जा चुके हैं। तथा घायलों को भी आर्थिक मदद दी जा रही है। इस हादसे में दो की मौत हो गई थी वहीं 29 लोगों को चोटे आई थी जिनमें से 22 का इलाज चल रहा है।

दून की प्यास बुझाने को सौंग डैम पर..

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने ओम बिड़ला को भी चारधाम यात्रा पर आने के लिए आमंत्रित किया है। सीएम धामी की आज शाम रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव से भी मुलाकात का कार्यक्रम है जिसमें ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेलवे लाइन की प्रगति पर वार्ता होगी तथा राज्य के लिए कुछ विशेष ट्रेन संचालन शुरू करने पर बातचीत संभव है। वहीं मुख्यमंत्री का आज वित्त मंत्री सीतारमण और सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से भी मिलने का कार्यक्रम है। मुख्यमंत्री द्वारा राज्य की सड़कों की स्थिति में सुधार पर चर्चा हो सकती है।

सिटीजन फॉर ग्रीन दून कर रहा है वृक्षारोपण

संवाददाता

देहरादून। सिटीजन फॉर ग्रीन दून 2017 से लगातार वृक्षारोपण अभियान चला रहा है।

2017 से सिटीजन फॉर ग्रीन दून तरला नागल में वृक्षारोपण अभियान चला रहा है। कभी माने गए वन क्षेत्र में तरला नागल के गांव के बुजुर्ग वर्षों से पेड़ पौधे लगा रहे हैं। बर्डर्स ने यहां कई प्रकार के पक्षियों को देखा है। यहाँ हिरण, जंगली सूअर, तितलियाँ और कीड़े-मकोड़े बहुतायत में हैं। यहाँ का अधिकांश क्षेत्र नालापानी की राऊ नदी के तल का निर्माण करता है। यहां ध्यान देने वाली बात यह है कि आईटी पार्क की मुख्य सड़क जो हर बारिश में एक तेज नदी में बदल जाती है और यातायात के लिए अनुपयोगी हो जाती है, उसी नाला पानी की राऊ नदी का तल है। पार्क योजना की घोषणा के साथ ही जेसीबी ने अंडरग्रोथ और झाड़ियों को साफ करना शुरू कर दिया है। तेजी से बदलते इस बंजर तथाकथित नगर वन में अब कौन सी तितली, पक्षी या हिरण बचेगा? क्या इस तरह हम तितली पार्क का पोषण करते हैं? वनस्पतियों और जीव-जंतुओं से भरपूर पहले से ही हरे-भरे क्षेत्र को पार्क के लिए स्थल के रूप में क्यों चुना जाना चाहिए? एक पार्क के लिए बंजर भूमि को हरा-भरा करना समझ में आता है और स्वागत योग्य है लेकिन यह बर्बादी तर्क से परे है। जब हम पानी की कमी का सामना कर रहे हैं तो सरकार को नदी के तल पर अतिक्रमण क्यों करना चाहिए, नदी के प्रवाह को क्यों तोड़ना चाहिए? 38 करोड़ की बड़ी राशि क्यों खर्च की जानी चाहिए सौंदर्यीकरण के नाम पर? जबकि कई बदसूरत, उपेक्षित, गंदे स्थानों की पूरे शहर में भरमार है? यह पैसा उन जगहों पर खर्च करना क्या ज्यादा उपयुक्त नहिं होगा? तरला नागल में एक पार्क के विचार के खिलाफ नागरिकों ने वर्षों से विरोध किया है। क्यों नहीं सुनी जा रही नागरिकों की आवाज? क्या नागरिकों के पास यह कहने का कोई अधिकार नहीं है कि उनके कर के पैसे कैसे खर्च किए जाते हैं और उनके परिवेश को कैसे विकसित किया जाता है, क्योंकि वे परिवर्तनों से सबसे अधिक प्रभावित होते हैं? देहरादून का ए क्यू आई पहले से ही खतरनाक स्तर पर है। तो क्या हमें हरी ऑक्सीजन देने वाली जगहों की रक्षा करनी चाहिए और उन्हें बढ़ावा देना चाहिए या उन्हें नष्ट कर देना चाहिए जैसा कि इस मामले में है? अतिक्रमण से बचाने के नाम पर हरित क्षेत्र का निर्माण करना एक क्रूर मजाक है। समय की मांग एक अछूता जैव विविधता समृद्ध हरा क्षेत्र है, न कि एक और पुस्तकालय और एक स्केटिंग रिंक या एक ओपन एयर थिएटर। इन सुविधाओं का हरियाली से कोई लेना-देना नहीं है और सामान्य ज्ञान के आदेशों का निर्माण परती भूमि पर या गैर-जिम्मेदार नागरिकों द्वारा कचरा डंप करने वाली भूमि पर किया जाना चाहिए। इन स्थानों के सौंदर्यीकरण और मानवीय हस्तक्षेप की आवश्यकता है न कि भगवान और प्रकृति द्वारा चुने गए हरित क्षेत्रों की। विभिन्न समूहों और जीवन के क्षेत्रों के नागरिक विरोध में शामिल हुए और हमारे प्रशासन से इसकी सौंदर्यीकरण परिभाषा पर पुनर्विचार करने के लिए कहा और हमारे एक बार सदाबहार प्राचीन दून को सांस लेने और पनपने और अपनी अनूठी पहचान बनाए रखने के लिए कहा।

रिटायर्ड चिकित्सक से ट्रेजरी अधिकारी बनकर साढ़े दस लाख रुपये ठगने वाला गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। रिटायर्ड चिकित्सक से ट्रेजरी अधिकारी बन साढे दस लाख रूपये ठगने वाले ठग को एसटीएफ ने कोलकाता से गिरफ्तार कर लिया है।

आज यहां इसकी जानकारी देते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसटीएफ उत्तराखण्ड आयुष अग्रवाल द्वारा बताया गया कि हल्द्वानी, जनपद नैनीताल निवासी रिटायर्ड चिकित्सक हरीश लाल द्वारा थाना कोतवाली हल्द्वानी में अज्ञात कालर द्वारा स्वयं को ट्रेजरी अधिकारी बताकर उसके पेंशन देयकों के भुगतान के नाम पर साढे दस लाख रूपये की धोखाधड़ी किये जाने के संबंध में 26 अक्टूबर 2022 को मुकदमा दर्ज किया गया। जिसकी जांच थाना कोतवाली हल्द्वानी से साईबर क्राईम पुलिस स्टेशन कुमाऊँ परिक्षेत्र रूद्रपुर को स्थानान्तरित हुयी थी। जांच से एसटीएफ को जानकारी मिली कि जो धनराशि साईबर ठगों द्वारा ठगी गयी है उसे कोलकता और बिहार में विभिन्न एटीएम से निकाला गया है। इस पर एक टीम को तत्काल कोलकता और बिहार भेजा गया। वहां पर इस टीम द्वारा 15 दिन तक एटीएम कैश विड्रॉल सीसीटीवी फुटेज व अन्य सम्भावित पतों पर छानबीन की गयी और ठग की गिरफ्तारी हेतु बिहार के हाजीपुर, वैशाली आदि जनपदों में और पश्चिम बंगाल के कोलकता शहर के कई इलाकों में छापे मारी की गयी तो इस घटना में अभिषेक शॉ पुत्र अरुण शॉ निवासी विदुपुर थाना बिदुपुर जनपद वैशाली बिहार को पश्चिम बंगाल क्षेत्र थाना कस्बा कोलकता क्षेत्र में स्थित उसके फ्लैट से गिरफ्तार किया गया तथा उसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त सिम काड्र्स, मोबाईल फोन्स, डेबिट काड्र्स बरामद किये गये हैं। पकड़े गये साईबर ठग को पूर्व में भी कोलकाता पुलिस द्वारा साईबर ठगी के आरोप में जेल भेजा जा चुका है। परन्तु जेल से छूटने के बाद साईबर ढंग अभिषेक अपने काम को और भी शांतिर तरीके से करने लगा और पुलिस से बचने के तरह तरह के हथकण्डे प्रयोग करता था परन्तु एसटीएफ की साईबर पुलिस की टीम द्वारा पिछले 15 दिन से अधिक समय तक कोलकता में रहकर जमीनी स्तर कार्य करते हुए उक्त साईबर क्रिमिनल के बारे में जानकारी जुटायी गयी और इस ठग को कोलकता शहर से गिरफ्तार कर ट्रांजिट रिमाण्ड प्राप्त कर उत्तराखण्ड ले आयी है।

आरोपी ने पूछताछ पर बताया कि उनके द्वारा रिटायर्ड लोगों को फोन काल कर ट्रेजरी आफीसर के रूप में बातचीत की जाती है और फिर उनके व्हाट्सएप पर पेंशन भुगतान संबंधी फार्मेट भेजे जाते हैं तथा पेंशन के समस्त देयकों का भुगतान करवाने के झांसे में लेकर उनके मोबाईल का एक्सेस लेकर सिम स्वेपिंग कर ली जाती है और इसके बाद उनके इण्टरनेट बैंकिंग का एक्सेस लेकर ध नराशि विभिन्न खातों में ट्रांसफर करवा ली जाती है तथा विभिन्न खातों में इण्टरनेट बैंकिंग के जरिये मोबाईल नम्बर बदलकर धनराशि प्राप्त कर ली जाती है। आरोपी नेटवर्क मार्केटिंग में काम कर चुका है। जिसकी वजह से बातचीत करने व लोगों को कन्विंस करने में एक्सपर्ट है। जिस कारण से आसानी से लोग उसके झांसे में आ जाते हैं। एसटीएफ ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

एक नजर

ट्रेन में यात्रियों पर ज्वलनशील पदार्थ छिड़ककर लगाई आग, 3 लोगों की मौत

कोझिकोड। केरल के कोझिकोड में ट्रेन में सीट को लेकर बहस के बाद एक व्यक्ति ने दूसरे वाले को (जिससे बहस हो रही थी) उसको आग के हवाले कर दिया। रेलवे ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि अलप्पुझा-कन्नूर एक्जीक्यूटिव एक्सप्रेस में तकरीबन रात के नौ बजकर 45 मिनट ये घटना घटी। ट्रेन ने कोझिकोड शहर पार कर दिया था। इसके बाद कोरापुझा रेलवे ब्रिज आया। तभी एक पैसेंजर ने सह यात्री को आग लगा दी। इस घटना में आठ लोग घायल हुए हैं। इसके कुछ घंटों बाद ही एलाथुर रेलवे स्टेशन के पास पटरी में तीन लोगों की लाश मिली। इसमें एक पुरुष, एक महिला और एक साल का बच्चा भी है। सीनियर पुलिस ऑफिसर के मुताबिक तीनों के शव बरामद किए गए हैं। रविवार को आग लगने की घटना के बाद से तीनों ट्रेन से लापता थे। इस घटना में 8 लोग झुलस गए, जिसके बाद अस्पताल भर्ती कराया गया है। घटना के बाद पूरी बोगी में अफरा तफरी मच गई थी। इसी दौरान किसी यात्री ने ट्रेन की चेन खींच दी, जिससे ट्रेन धीमी पड़ गई और आरोपी वहीं से कूदकर फरार हो गया।

मुठभेड़ में 5 माओवादी ढेर

चतरा (झारखंड)। झारखंड के चतरा जिले में सोमवार को सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में पांच माओवादियों को मार गिराया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ राजधानी रांची से 160 किलोमीटर दूर लावालौंग पुलिस थाना क्षेत्र में चतरा-पलामू सीमा के पास हुई। चतरा के पुलिस अधीक्षक (एसपी) राकेश रंजन ने बताया, पांच माओवादियों को मार गिराया गया और कई अन्य गोली लगने से घायल हो गए। मारे गए सभी माओवादियों के शव बरामद कर लिए गए हैं। उन्होंने बताया कि घटनास्थल से बड़ी मात्रा में हथियार एवं गोलाबारूद बरामद हुआ है। अनुमंडल पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) अशोक प्रियदर्शी ने कहा कि गोलीबारी सुबह करीब साढ़े आठ बजे शुरू हुई थी। उन्होंने बताया, जब्त हथियारों में दो एके-47 राइफल और दो देसी राइफल शामिल हैं।

17 अप्रैल तक जेल में रहेंगे मनीष सिसोदिया

नई दिल्ली। दिल्ली शराब नीति मामले में जेल में बंद आप नेता और पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया को अदालत से राहत नहीं मिली है। अदालत ने उनकी न्यायिक हिरासत 17 अप्रैल तक बढ़ा दी है। सिसोदिया की न्यायिक हिरासत आज खत्म हो गई थी। जिसके बाद सीबीआई ने उन्हें दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया था। कथित शराब घोटाले में मनीष सिसोदिया पर गंभीर आरोप लगे हैं, जिसके बाद से वो लगातार जेल में हैं। 26 फरवरी को सीबीआई ने मनीष सिसोदिया से लंबी पूछताछ की थी। जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद से प्रवर्तन निदेशालय का शिकंजा भी कस चुका है। 03 अप्रैल यानी आज सिसोदिया की सीबीआई की न्यायिक हिरासत खत्म हो रही थी जिसके बाद उन्हें अदालत में पेश किया गया था।

'नो बॉल' देने पर अंपायर की हत्या

भुबनेश्वर। ओडिशा में अंपायर को श्नो बॉलश देने का फैसला इतना भारी पड़ गया कि एक युवक ने उसकी धारदार चाकू से हत्या कर दी। मामला कटक के महिशिलांदा गांव का है। यहां क्रिकेट मैच खेला जा रहा था। इस दौरान अंपायर ने नो बॉल का फैसला दे दिया। ये बात आरोपी को नागवार गुजर गई। उसने मैदान में ही चाकू निकाल लिया और अंपायर पर एक के बाद एक हमले शुरू कर दिए। मृतक युवक की पहचान महिशिलांदा गांव के लकी राउत (22) के रूप में हुई है। इस घटना के बाद गांव में तनाव फैल गया। घटना की सूचना पुलिस को दी गई।पुलिस ने बताया कि ऐहतियात के तौर पर गांव में सुरक्षाबलों की एक टुकड़ी को तैनात कर दिया गया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मामले की जांच शुरू कर दी है।

रामपुर में चौराहे में लगाया गया दुनिया का सबसे बड़ा 'रामपुरिया चाकू'

लखनऊ । यूपी का रामपुर जिला पुराने समय से प्रसिद्ध रहा है। चाहें वो रामपुर के नवाबों के शौक हों या रामपुरिया चाकू हो। रामपुर के चाकू पुराने समय में हथियार के काम आया करते थे। हाल ही में रामपुर में पूरी दुनिया का सबसे बड़ा चाकू जौहर चौराहे में लगाया गया है। लोगों का मानना है कि 20 फिट का लंबा चाकू लगा कर रामपुर के चाकू कारीगरों को एक नई पहचान, नई उर्जा देने का काम शुरू होगा। हिन्दी सिनेमा में भी रामपुरी चाकू का खूब इस्तेमाल हुआ है और सिनेमा में चाकू के ऊपर डायलॉग भी ऐक्टर पर फिल्माए गए हैं लेकिन धीरे-धीरे इस रामपुर चाकू की जगह चाइनीज चाकू ने ले ली और रामपुर के कारीगरों से ये काम छिनता चला गया। 15 साल पहले पूर्व की सरकार ने चाकू पर पूरी तरह से बैन भी लगा दिया था लेकिन एक जिला एक उत्पाद योजना में रामपुर के चाकू को भी बढ़ावा दिया गया है।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में योग और आयुर्वेद महत्तवपूर्ण भूमिका निभा सकते हैः संधु

संवाददाता

देहरादून। मुख्य सचिव डा.एसएस संधु ने कहा कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में योग और आयुर्वेद महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकते है।

आज यहां मुख्य सचिव डॉ. एस. एस. संधु ने उत्तराखण्ड आयुर्वेद विश्वविद्यालय में उत्तराखंड के पीएमएचएस चिकित्सा अधिकारीयों के लिए आम जनमानस के इलाज हेतु आयुर्वेद को बढ़ावा देने के लिए 06 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। मुख्य सचिव ने आयुर्वेद पद्धति के महत्त्व पर विशेष बल देते हुए कहा कि प्राचीन समय से ही आयुर्वेद द्वारा चिकित्सा सुविधा दी जा रही है। आज के समय में आयुर्वेद व ऐलोपैथी पद्धति को आपस में तालमेल बनाकर आम जनमानस को चिकित्सकीय इलाज दे कर बेहतर इलाज किया जा सकता है। मुख्य सचिव ने प्रशिक्षुओं को बताया कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में योग और आयुर्वेद महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। आयुर्वेद रोगों के इलाज के बजाय रोकथाम पर अधिक बल देता है। योग और आयुर्वेद के अनुरूप जीवन शैली अपनाकर हम अपने शरीर को स्वस्थ रख सकते हैं। इस दौरान अपने अनुभव साझा करते हुए मुख्य सचिव ने कहा कि आयुर्वेद स्वस्थ जीवन शैली का आधार है, जो तनावमुक्त जीवन जीने को बढावा देता है। अवसाद (डिप्रेशन) को कम करने के लिये आयुर्वेद में मौजूद चिकित्सकीय इलाज को अपनाकर स्वस्थ जीवन जिया जा सकता है। मुख्य सचिव द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रेक्टीकल ट्रेनिंग ऑन आर्युवेदा फॉर पीएमएचएस मेडिकल ऑफिसर ऑफ उत्तराखण्ड टू प्रमोटेड वेलनेस कॉनसेप्ट उत्तराखण्ड आयुर्वेद विश्वविद्यालय तथा एच.एन.बी. उत्तराखण्ड चिकित्सा षिक्षा विश्वविद्यालय द्वारा बनाये गये प्रशिक्षण मोड्यूल का विमोचन किया गया। कार्यक्रम में सचिव स्वास्थ्य डा. आर. राजेश कुमार, सचिव आयुष डा. पंकज कुमार पाण्डे, कुलपति एच.एन.बी. उत्तराखण्ड चिकित्सा शिक्षा विश्वविद्यालय प्रो. हेमचन्द पाण्डे, कुलपति उत्तराखण्ड आयुर्वेद विश्वविद्यालय प्रो. सुनील कुमार जोशी, स्वास्थ्य महानिदेशक डा. विनीता शाह, एन.एच.एम. निदेशक डा. सरोज नैथानी, डा. अजय कुमार नगरकर, प्रो. अनूप कुमार गक्खड, प्रो. पंकज कुमार शर्मा, प्रो. डी. सी. सिंह, डा. दीपक कुमार सेमवाल, डा. आशुतोष चौहान, चन्द्रमोहन पैन्युली, डा. राजीव कुरेले, डा. एच एम चन्दोला, डा. नन्द किशोर दाधिच, डा. अमित तमादड्डी आदि मौजूद रहे।

परीक्षा प्रभारी सहित चार अन्य अधिकारी बर्खास्त

हमारे संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड बोर्ड परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाएं परीक्षा प्रभारी शिक्षक के कमरे से मिलने का वीडियो वायरल होने के बाद मुख्य शिक्षा अधिकारी ने कड़ी कार्रवाई करते हुए केंद्र व्यवस्थापक सहित अन्य चार अधिकारियों को उनके पद से बर्खास्त कर दिया गया है।

वायरल वीडियो का यह मामला चमोली जिले में गैरसैंण विकासखंड के अंतर्गत नैल खंसर के दूरस्थ इंटर कॉलेज का है। वायरल वीडियो का सच सामने आते ही जिला अधिकारी ने चार सदस्यीय जांच कमेटी को मौके पर भेजा था।

बता दें कि बीती 28 मार्च को 10वीं की गणित और 12वीं के रसायन विज्ञान की परीक्षा संपन्न हुई। जिसके बाद 29 मार्च को उत्तर पुस्तिकाएं संकलन के लिए मूल्यांकन केंद्र विक्टोरिया क्रास दरबान सिंह आदर्श राजकीय इंटर कॉलेज कर्णप्रयाग भेजा जाना था। प्रधानाचार्य श्याम सिंह नेगी के अनुसार उत्तर पुस्तिका को बंडल व मुरलीधर के समय से नहीं पहुंचने के चलते 29 मार्च को परीक्षा प्रभारी को दे दिया गया। विद्यालय के पूर्व अतिथि शिक्षक गब्बर सिंह ने परीक्षा प्रभारी के कमरे में दाखिल होकर उत्तर पुस्तिकाओं का वीडियो बनाकर उसे वायरल कर दिया। साथ ही प्रधानाचार्य नेगी का कहना है कि, केंद्र व्यवस्थापक, कस्टोडियन, पर्यवेक्षक समेत परीक्षा प्रभारी को तत्काल प्रभाव से हटा दिया गया है। प्रथम दृष्ट्या बंडल से छेड़खानी नहीं हुयी है। जांच टीम में जिला शिक्षा अधिकारी डीएस रावत, बीईओ केएस टोलिया, विधि अधिकारी एल.एस रावत व प्रधानाचार्य रा.ई.का. आदिबदरी, एम. एस नेगी शामिल रहे।

राज्य सरकार आईएफएस अधिकारी भरतरी को 4 अप्रैल सुबह 10 बजे तक दें चार्जः हाईकोर्ट

हमारे संवाददाता

नैनीताल। उत्तराखंड हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को कड़े निर्देश देते हुए वरिष्ठ आई.एफ.एस.राजीव भरतरी को 4 अप्रैल सवेरे दस बजे तक राज्य के प्रमुख वन संरक्षक का दोबारा चार्ज सौंपने के निर्देश दिये गये है। राजीव भरतरी को इससे पहले हरक सिंह ने इसी पद से हटाकर दूसरे अधिनस्त पद पर ट्रांसफर कर दिया था। राजीव को सेंट्रल एडमिनिस्ट्रेटिव ट्राइब्यूनल(कैट)से भी बड़ी राहत मिल चुकी है।

आज मामले की सुनवाई मुख्य न्यायधीश विपिन सांघी और न्यायमूर्ति आलोक कुमार वर्मा की खण्डपीठ में हुई। अपनी याचिका में आई एफ एस अधिकारी राजीव भरतरी ने कहा है कि वे राज्य के सबसे सीनियर भारतीय वन सेवा के अधिकारी हैं, लेकिन सरकार ने 25 नवम्बर 2021 को उनका स्थान्तरण प्रमुख वन संरक्षक(हॉफ)के पद से अध्यक्ष जैव विविधता बोर्ड के पद पर कर दिया था। जिसको उन्होंने संविधान के खिलाफ मानते हुए सरकार को चार प्रत्यावेदन दिए । लेकिन सरकार ने इन प्रत्यावेदनों की सुनवाई नहीं की।

राजीव भरतरी ने कहा कि उनका स्थान्तरण राजनीतिक कारणों से किया गया है, जिसमें उनके संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन हुआ है।

बता दें कि,पी.सी.सी.एफ.राजीव भरतरी के स्थान्तरण के पीछे एक मुख्य कारण कॉर्बेट नेशनल पार्क के भीतर हो रहे अवैध निर्माण व इन निर्माणों की राजीव भरतरी द्वारा की जा रही जांच को प्रभावित करना भी माना जा रहा था। आरोप है कि तत्कालीन वन मंत्री एक अधिकारी के समर्थन में राजीव भरतरी को पी.सी. सी.एफ.(हॉफ) के पद व कार्बेट पार्क में हो रहे निर्माण कार्यों की जांच से हटाना चाहते थे।

अवैध खनन में डम्पर सीज

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने अवैध खनन करने पर एक डम्पर को सीज कर दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार देर रात्रिं त्यूनी पुलिस के द्वारा चैकिंग के दौरान अवैध खनन के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए बिना रॉयल्टी के रेत ले जाने वाले 01 डम्पर का अवैध खनन में चालान करते हुये डम्पर को सीज किया गया।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।